RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

सांध्य दैनिक
श्रीकंचनपथ
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 19 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 31 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

कार्तिक अमावस्या इस बार दो दिन रहेगी 1 नवंबर को भी कर सकते हैं लक्ष्मी पूजन

दीपावली की तिथि को लेकर कन्युफ्यूजन, पंडितों ने दूर की दुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दीपावली पर्व को लेकर इस बार लोगों में कन्फ्यूजन की स्थिति निर्मित हो गई है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष दीपावली का त्योहार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाई जाती है। लेकिन इस बार कार्तिक अमावस्या तिथि दो दिन पड़ने के कारण दिवाली के त्योहार को लेकर कुछ कंफ्यूजन की स्थिति बनी हुई है कि दिवाली 31 अक्तूबर को मनाई जाय या फिर 01 नवंबर को। हालांकि पंडितों ने इसका भ्रम दूर किया है। देश के अधिकतर हिस्सों में दीपावली 31 अक्टूबर को मनाई जा रही है यानी लक्ष्मी पूजन 31 अक्टूबर को होगा। साथ ही 1 नवंबर को भी लक्ष्मी पूजन के लिए मुहूर्त है। इसलिए एक नवंबर को भी दीपावली मनाई जा सकती है।

दीपावली हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्योहार है जिसे दीपोत्सव भी कहा जाता है। यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व है। दीपावली पर धन और समृद्धि के देवी महालक्ष्मी का विशेष पूजन करने का विधान होता है। शास्त्रों में दिवाली पर महालक्ष्मी का पूजन अमावस्या तिथि पर प्रदोष काल और स्थिर लग्न में सबसे सर्वोत्तम माना गया है। प्रदोष काल के अलाव महानिशीथ काल में लक्ष्मी पूजन का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता लक्ष्मी का प्राकट्य अमावस्या तिथि के संध्याकाल में हुआ था इस कारण से दिवाली का पर्व और लक्ष्मी पूजन प्रदोषकाल और रात्रिकाल निशीथ काल में होती है।

दो दिन रहेगी कार्तिक अमावस्या की तिथि

पंचांग के अनुसार इस वर्ष कार्तिक माह की अमावस्या तिथि 31 तारीख को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट से शुरू हो रही है और यह तिथि 01 नवंबर को शाम 6 बजकर 16 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। माता लक्ष्मी अमावस्या तिथि में प्रदोष काल और निशिथ काल में भ्रमण करती हैं इसके कारण माता की पूजा प्रदोष काल और निशीथ काल में करने का विधान होता है। 31 अक्तूबर, गुरुवार के दिन पूरी रात्रि अमावस्या तिथि के साथ प्रदोष काल और निशीथ मुहूर्त काल भी है। ऐसे में शास्त्रों के अनुसार 31 अक्टूबर के दिन दीवाली का पर्व और लक्ष्मी पूजन करना सबसे अधिक फ्लदाई होगा, क्योंकि दिवाली का पर्व तभी मनाना उत्तम रहता है जब प्रदोष से लेकर निशिथा काल तक अमावस्या तिथि रहे। यदि दिवाली पर सूर्योदय के बाद तीन प्रहर तक कोई तिथि व्याप्त हो तो उदयकाल में तिथि होना माना जाता है और उसी काल में पूजा करना शास्त्र सम्मत है। ऐसे में 01 नवंबर को अमावस्या तीन प्रहर की है और प्रदोष व्यापिनी भी है। इस कारण से कुछ पंडित दीपावली 1 नवंबर को मनाने की सलाह दे रहे हैं।

दीपावली 2024- अमावस्या तिथि

दीपावली पर कार्तिक अमावस्या तिथि 31 अक्तूबर को दोपहर 03:52 मिनट से शुरू होगी जो कि 1 नवंबर को शाम 06:16 मिनट तक रहेगी। दिवाली पर देवी लक्ष्मी का पूजन प्रदोष काल (सूर्यास्त के बाद के तीन मुहूर्त) और स्थिर लग्न में किया जाना चाहिए। प्रदोष काल का समय हर दिन सूर्यास्त होने से 2 घड़ी यानी 48 मिनट तक रहता है। दिल्ली के समय अनुसार 31 अक्तूबर को शाम 5 बजकर 36 मिनट पर सूर्यास्त होगा। 31 अक्तूबर को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट से अमावस्या प्रारंभ हो चुकी होगी और प्रदोष काल अमावस्या तिथि पर रहेगी। ऐसे में 31 अक्तूबर को शाम 5 बजकर 36 मिनट के बाद दिवाली लक्ष्मी पूजन आरंभ कर दें। दूसरी ओर 1 नवंबर को शाम 06 बजकर 16 मिनट तक अमावस्या तिथि व्याप्त रहेगी और सूर्यास्त 05 बजकर 36 मिनट होगा। इस तरह से 01 नवंबर को भी प्रदोष काल और अमावस्या तिथि व्याप्त रहेगी। यानी 01 नवंबर को शाम 05 बजकर 36 मिनट से लेकर अमावस्या तिथि के समापन 06 बजकर 16 मिनट तक लक्ष्मी पूजन के लिए करीब 40 मिनट का ही शुभ मुहूर्त मिलेगा। इसके बाद प्रतिपदा लग जाएगी।

दुर्ग में फिर एक मर्डर, टंगिया मारकर अधमरा छोड़ा

अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में हत्या जैसे अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मोहन नगर थाना क्षेत्र में फिर एक हत्या की वारदात ने सनसनी फैला दी है। घटना बुधवार देर रात की बताई जा रही है। यहां एक शख्स की टंगिया से वार कर हत्या कर दी। पड़ोसियों ने लाठी डंडे व टंगिया लेकर दौड़ाया और अधमरा कर छोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घायल को अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इस मामले में पुलिस ने संदेहियों को हिरासत में लिया है।

बुधवार को पूरा शहर नरक चौदस यानी छोटी दीपावली के उत्सव मना रहा था और इस दौरान मोहन नगर थाना क्षेत्र में हत्या की वारदात ने हड़कंप मचा दिया। मिली जानकारी के अनुसार घटन उरला क्षेत्र की है। बुधवार देर रात दो पड़ोसियों के बीच जमकर विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया बात गाली गलौच व मारपीट तक आ गई। इस दौरान भूपेंद्र सिंह राजपूत पिता रिषी सिंह राजपूत (50) टंगिया लेकर पड़ोसी को मारने दौड़ा। इस दौरान खेलदास मानिकपुरी उसका बेटा छम्मन दास मानिकपुरी और मां सतोषी बाई मानिकपुरी भी लाठी डंडा और टंगिया लेकर दौड़े।

इस दौरान दोनों पक्षों में लाठी डंडा चला। खेलदास के परिवार वालों ने भूपेंद्र सिंह को घेरकर बुरी तरह मारा। कई जगह टंगिया से वार किया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। घायल हालत में उसे वहीं छोड़कर खेलदास का परिवार चला गया। पास पड़ोस के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल भूपेंद्र सिंह को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में भूपेन्द्र की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने खेलदास सहित उसके परिवार के लोगों को हिरासत में ले लिया है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक भूपेन्द्र सिंह अपने पड़ोसी छम्मन की मां संतोषी बाई को अक्सर टोनही कहकर बुलाता था। मृतक भूपेन्द्र का मानना था कि संतोषी बाई के कारण उसकी मां हमेशा बीमार रहती थी। इस बात को लेकर कई बार छम्मन का भूपेन्द्र से विवाद हुआ। बुधवार रात को भी इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ और बात यहां तक पहुंच गई। बताया जा रहा है दोनों पड़ोसियों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। फिलहाल इस मामले में मोहन नगर जांच पड़ताल कर रही है।

5 दिन पहले हुई थी युवक की हत्या

5 दिन पहले भी मोहन नगर थाना क्षेत्र में युवक की हत्या कर दी गई। मोहन नगर थाना क्षेत्र के शांति नगर निवासी परमेश्वर निर्मलकर उर्फ टोपू (23) अपने साथी जितेन्द्र के साथ बाइक पर जा रहा था। दोपहर को शांति नगर चौक पर विकास उर्फपिंटू ने टोपू को को रोका ओर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर फरार हो गया। घटना में गंभीर रूप से घायल परमेश्वर ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मोहन नगर पुलिस ने आरोपी विकास को गिरफ्तार कर लिया है।

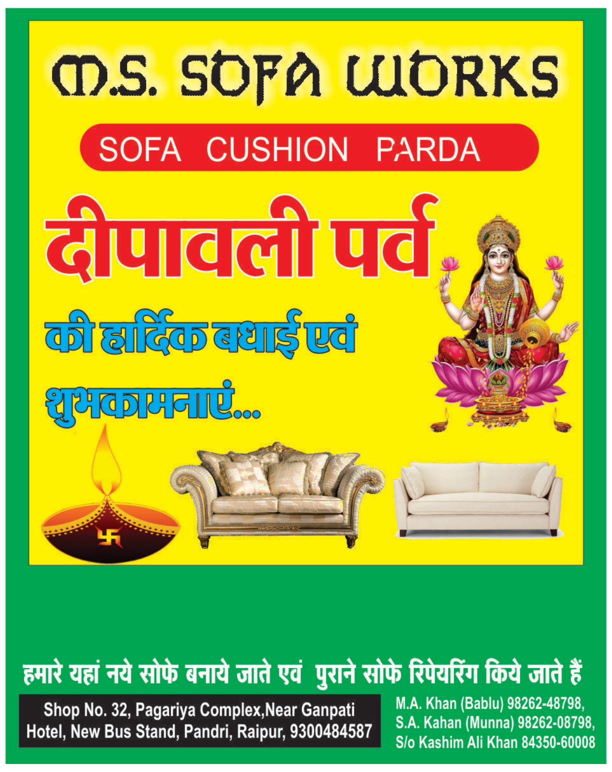

सोशल मीडिया बस इतनी सी विनती है

श्रीकंचनपथ

दीपावली पर इस साल भी लोगों ने खूब खरीदारी की। पूजा से जुड़ी कुछ सामग्री के लिए लोग भटकते रहे। पर बाजार इसके लिए तैयार नहीं था। दरअसल, सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी बहुत देर से आई थी। इसलिए बाजार इसके लिए तैयारी नहीं कर पाया। कुछ चीजें जैसे पीतल का कुबेर यंत्र, माता लक्ष्मी एवं श्रीगणेश की मूर्ति में माता श्रीलक्ष्मी का कद थोड़ा ऊंचा, मूषक का स्थान गणपति के बाएं पैर के पास जैसे टिप्स लोगों को मिले थे। कुबेर यंत्र की स्थापना की दिशा भी बताई गई थी। पर बाजार में ये चीजें उपलब्ध नहीं थीं। दरअसल, सोशल मीडिया भी प्रचार का ही एक माध्यम है। दीपावली या किसी भी अन्य पर्व से पहले इसपर कुछ जानकारियां आती हैं। कई बार ये जानकारियां बाजार द्वारा प्रायोजित होती हैं। सोशल मीडिया के जरिए डिमांड क्रिएट की जाती है और फिर उसी के आधार पर वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति की जाती है। पर अब सोशल मीडिया किसी के काबू में नहीं रहा। इंफ्लुएंसर भी किसी के काबू में नहीं रहे। इसीलिए इस बार जब दीपावली से जुड़े खास टोटके सोशल मीडिया पर आए तो बाजार इसके लिए तैयार नहीं था। न तो बाजार के पास सुनहरी पन्नी से बनी माला थी, न पीतल-पत्र पर बना कुबेर यंत्र ही कहीं मिल रहा था। श्रीलक्ष्मी की बड़े कद वाली प्रतिमाएं तो बाजार में थीं पर उसमें माता सरस्वती और श्रीगणेश, दोनों दाएं-बाएं उपस्थित थे। किसी भी देवता का वाहन उनके साथ इन मूर्तियों में नहीं था। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स से एक विनती है कि वो ऐसी बातें कम से कम एक माह पहले करना शुरू करे, ताकि ग्राहक के साथ ही बाजार भी इसके लिए तैयार हो। अब अगली दीपावली पर फिर से नई एडवाइजरी जारी हो जाएगी। अर्थात इस बार की एडवाइजरी के आधार पर अगले साल की तैयारी नहीं की जा सकेगी। पर एक बात इस बार अच्छी मालूम हुई। पटाखे के बाजार के प्रति पहले जैसा रुझान देखने को नहीं मिला। रात को पटाखों की आवाजें भी छोटी दीपावली पर कम ही सुनने को मिली। लोगों ने या तो निवेश किया या फिर लक्जरी पर खर्च किया। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 1500 करोड़ की खरीदी सराफा में हुई। 800 करोड़ के घर और प्लाट बिके। ऑटोमोबाइल सेक्टर में करीब 700 करोड़ के 30 हजार वाहन बिके तो इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल सेक्टर में 700 करोड़ का कारोबार हुआ। बर्तन, फर्नीचर, कपड़ा बाजार, मिठाई और गिफ्ट आइटम को मिलाकर 600 करोड़ का कारोबार हुआ। बहरहाल, बात यहां सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स की रही थी। देश ने बाजार पर बाबाओं का प्रभाव पहले भी देखा है। बाबा रामदेव ने योग और आयुर्वेद को खूब प्रमोट किया। पंतजलि रातों रात इंटरनेशनल ब्राण्ड बन गया। अब छोटे-छोटे बाबाओं की बारी है। बस ये इतना और कर दें कि डिमांड क्रिएट करने के साथ ही बाजार को भी तैयारी का वक्त दे।

संपादकीय

सच है तो सच को स्वीकार करना चाहिए

राजनीति में जो सच है,उसे स्वीकार करने वाले नेता व दल कम ही होते हैं।पूरा सच तो राजनीति में स्वीकार नहीं किया जाता है। स्वीकार भी किया जाता है तो वह पूरा सच नहीं होता है।चुनाव है तो ज्यादातर राजनीतिक दल तो यह स्वीकार ही नहीं करते हैं कि वह अकेले चुनाव नहीं जीत सकते।वह चुनाव का रिजल्ट आते वक्त यही कहते रहते हैं कि चुनाव वह अकेले लड़े या दलों के साथ मिलकर लड़े, चुनाव तो वही जीत रहे हैं, सरकार तो उनकी ही बन रही है। उनको सच का पता नहीं रहता है और हवा में दावा करते रहते हैं जब रिजल्ट आता है तो उनको लगता है कि हम कैसे हार गए, फिर वह झूठ कहते हैं कि ईवीएम में गड़बड़ी कर उनको हरा दिया गया है, वह हारे नहीं है, उनको तो साजिश कर हराया गया है।

> *हरियाणा में क्या हुआ,यही हुआ कि कांग्रेस को सच का पता नहीं था कि वह चुनाव हार रही है। उसको सच पता भी होता तो वह स्वीकार नहीं करती।अगर वह हारने के पहले स्वीकार कर लेती तो लोगों को हैरानी होती कि कांग्रेस ने ऐसा क्यों किया। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेंद्र फड्णवीस ने जो सच है तो उसे स्वीकार किया है तो किसी को हैरानी नहीं हुई है कि देवेंद्र फड्णवीस ने ऐसा क्यों कहा।*

देवेंद्र फड्णवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने के दौर में यह स्वीकार किया है कि भाजपा अकेले महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव नहीं जीत सकती।चुनाव के बाद उनकी पार्टी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आएगी और सहयोगी दलों शिंदे शिवसेना, अजीत पवार एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाएगी।तीनों पार्टी के वोटों के एकीकरण से ही महायुति की जीत होगी।

सवाल उठना स्वाभाविक है कि फड्णवीस ने ऐसा कहने की जरूरत क्यों समझीं जबकि एमवीए की तरफ से ऐसा कोई बयान नहीं आया है। इसका एक कारण तो यह हो सकता है कि यह तो सच है कि भाजपा महाराष्ट्र में अकेले नहीं जीत सकती पर ऐसा कहकर शिंदे व अजीत पवार के दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं को संदेश दिया जा रहा है कि भाजपा आपके महत्व को समझती है, भाजपा के साथ रहने में फायदा है, क्योंकि साथ रहोगे तो सरकार भाजपा की ही बनेगी। भाजपा यह नहीं कह रही है कि जैसा कि यूपी में चुनाव जीतने पर कांग्रेस व सपा के नेता कहते थे कांग्रेस तो हमारे कारण जीती है, सपा तो हमारे कारण जीती है।वह नहीं कह रही है कि शिंदे व अजीत पवार को चुनाव में जीत मिलेगी तो भाजपा के कारण मिलेगी। वह कह रही है कि भाजपा अपने दम पर ज्यादा सीटें जीतेंगी तो शिंदे व अजीत भी अपने दम पर ज्यादा सीटें जीतने की कोशिश करेंगे।

भाजपा जानती है कि महाराष्ट्र की राजनीति में अभी गठबंधन का दौर है, गठबंधन को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है कि गठबंधन के दलों का सम्मान किया जाए। फड्णवीस सच को स्वीकार कर अपने गठबंधन को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं।वही एमवीए गठबंधन में इसके उल्टा हो रहा है।उध्दव ठाकरे चाहते हैं,उनको सीएम चेहरा बनाया जाए, उनको ज्यादा सीटें चुनाव लड़ने के लिए दी जाए। कांग्रेस चाहती है कि सीएम का फैसला तो चुनाव जीतने के बाद ही होगा। ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने का अधिकार तो उसका है। एनसीपी पवार दोनों को लड़ाकर खुद फायदा उठा रहेहैं और एनसीपी को दोनों दलों के बराबर का दल बता रहे हैं और इसका परिणाम क्या हुआ कि तीनों में कोई बड़ा दल नहीं है, सब बराबर है, सब 85-85 सीटों पर चुनाव लड़ेगे। वैसे तो पवार की एनसीपी को 85 सीटें नहीं मिलती लेकिन उध्दव व कांग्रेस के लड़ने के कारण पवार की पार्टी को भी दोनों के बराबर सीटें मिल गईं हैं।

इसके बाद 33 सीटें बचती हैं,इसी को लेकर तीनों के बीच घमासान मचा हुआ है, एक दूसरे के खिलाफ भी लड़ने को तैयार है। बताया जाता है कि कांग्रेस ने तो कुल 99 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। इससे लगता तो यही है कि उध्दव व पवार भी यही करने वाले हैं। वैसे एमवीए में आकर उध्दव ठाकरे को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।वह सीएम बनने के लिए हो तो एमवीए मे शामिल हुए थे, ढाई साल सीएम रहे, उसके बाद उनकी पार्टी टूट गई, उनकी पार्टी उनकी पार्टी नहीं रही, पहले की तुलना में कमजोर हो गई, उनके परिवार का जो मुंबई की राजनीति में दबदबा था,वह खत्म हो गया है। माना जाता है कि एक वक्त ऐसा था देश के बड़े से बड़े नेता को भी बाला साहेब ठाकरे से मिलना होता था वह मातोश्री आता था,बाला साहेब किसी से मिलने नहीं जाते थे।आज स्थिति यह है कि उध्दव खुद पवार से मिलने के लिए उनके दफ्तर या घर जाते हैं।

यही नहीं पवार व कांग्रेस न तो उनको सीएम बनाने को तैयार है, न ही चुनाव लड़ने के लिए ज्यादा सीटें देने को तैयार हैं।राहुल गांधी व केजरीवाल की तरह ही उध्दव भी ऐसे नेता हैं जिन्होंने राजनीति में जो सोचा वह हुआ नहीं, पाया कम गंवाया ज्यादा है। राहुल गांधी पीएम बनना चाहते हैं, बन नहीं पा रहे हैं।केजरीवाल बड़ा राष्ट्रीय नेता बनना चाहते हैं, पर चुनाव हार जाने के कारण बन नहीं पा रहे हैं। उध्दव महाराष्ट्र का सीएम फिर एक बार बनना चाहते हैं लेकिन साथी तैयार नहीं हैं।

नजरिया

विभाजन करके सत्ता हासिल, पार्टियों को सबक सिखाएंगे

इस ऐतिहासिक सचाई का भी ध्यान रखने की जरुरत है कि जब भी भारत का समाज और नागरिक बंटते हैं तो देश का नुकसान होता है और बाहरी लोग फायदा उठाते हैं। भारत की भौगोलिक सीमा का सिकुड़ते जाना इसका एक उदाहरण है। एक समय भारत की सीमा का विस्तार पश्चिम में फारस यानी आज के ईरान और दक्षिण पूर्व में मलय द्वीप यानी आज के मालदीव से लेकर जावा, सुमात्रा, कंबोडिया और इंडोनेशिया तक था।

एस. सुनील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच अक्टूबर को महाराष्ट्र के ठाणे में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे, जहां उन्होंने देश के नागरिकों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा था कि अगर हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे। प्रधानमंत्री के इस बयान की अलग अलग तरीके से और अलग संदर्भों में व्याख्यायित किया जा रहा है। लेकिन इसको समग्रता से देखने का प्रयास नहीं हो रहा है या ऐसे भी कह सकते हैं कि जान बूझकर इसके सबसे महत्वपूर्ण पक्ष को आम नागरिकों की नजरों से ओझल कर दिया जा रहा है। इसे ऐसा प्रदर्शित किया जा रहा है, जैसे यह सांप्रदायिक बात हो और यह किसी संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए समाज को विभाजित करने के उद्देश्य से दिया गया बयान हो। ऐसी ही व्याख्या उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले बयान की भी की जा रही है। असल में माननीय प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों को ऐसे लोगों से सावधान रहने को कहा था, जो धर्म और जाति के आधार पर समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों से आगाह किया था, जो समाज को बांट कर देश को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगो से सचेत किया था, जो देश विरोधी ताकतों के हाथों की कठपुतली बन गए हैं और देश की एकता व अखंडता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं।

अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान को ही समग्रता से देखा जाए तो उनका आशय स्पष्ट हो जाता है। उन्होंने पांच अक्टूबर को ठाणे के कार्यक्रम में कहा था- कांग्रेस जानती है कि उनका वोट बैंक तो एक रहेगा, लेकिन बाकी लोग आसानी से बंट जाएंगे। आसानी से टुकड़े हो जाएंगे। इसलिए कांग्रेस और उसके साथियों का एक ही मिशन है, समाज को बांटो, लोगों को बांटो और सत्ता पर कब्जा करो। इसलिए हमें अतीत से सबक लेना है। हमें एकता को ही देश की ढाल बनाना है और हमें याद रखना है कि अगर हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे। हमें कांग्रेस और अघाड़ी वालों के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देना है। आज कांग्रेस का असली रंग खुल कर सामने आ गया है। कांग्रेस को अब अर्बन नक्सल का गैंग चला रहा है। पूरी दुनिया में जो लोग भारत को आगे बढ़ने से रोकना चाहते हैं, कांग्रेस अब खुलकर उनके साथ खड़ी है। इसलिए अपनी घोर असफलता के बावजूद कांग्रेस, सरकार बनाने का सपना देख रही है।

वास्तविकता यह है कि माननीय प्रधानमंत्री ने देश के सामने प्रस्तुत एक वास्तविक खतरे की ओर संकेत किया है। कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां ईस्ट इंडिया कंपनी या उसके बाद ब्रिटिश शासन की तरह 'बांटो और राज करो' के सिद्धांत पर चल रही हैं। उनको किसी तरह से सत्ता हासिल करनी है तो वे देश और भारतीय समाज की संरचना को ही छिन्न भिन्न करने में लग गए हैं। इसके लिए कई तरह से जतन किए जा रहे हैं। कांग्रेस जो कभी राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व करने वाली और सभी जातियों व धर्मों का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टी थी वह आज अलग अलग राज्यों में घनघोर जातिवादी पार्टियों की पिछलग्गू बन गई है। वह प्रादेशिक पार्टियों के साथ मिल कर जातियों की पहचान को उजागर कर रही है और उस आधार पर समाज को बांटने का काम कर रही है। उसने समावेशी राजनीति का रास्ता छोड़ दिया है। हैरानी की बात तो यह है कि हरियाणा में हाल के चुनाव में ही उसकी जातिवादी राजनीति को राज्य के लोगों ने पराजित किया फिर भी वह महाराष्ट्र और झारखंड में इसी तरह की राजनीति कर रही है। वह कहीं जाट राजनीति कर रही है तो कहीं मराठा तो कहीं आदिवासी राजनीति का दांव आजमा रही है। इसके उलट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति सबको साथ लेकर चलने की है।

असल में कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति के जरिए एक अल्पसंख्यक वोट बैंक बनाया है। कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों की इसी राजनीति की प्रतिक्रिया में पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मुकाबले 'जो हमारे साथ हम उनके साथ' का सिद्धांत अपनाने की सलाह दी। इससे यह भी संकेत मिलता है कि समाज के अंदर ऐसी सोच बनने लगी है कि जो देश के साथ होगा, समाज के साथ होगा, भारत के हितों के साथ होगा उसी का साथ, उसी का विकास और उसी पर विश्वास करना चाहिए।

बहरहाल, कांग्रेस को पता है कि इस वोट बैंक के आधार पर वह चुनाव नहीं जीत सकती है तो उसने हिंदू समाज में जातीय विभाजन को बढ़ाने का प्रयास शुरू किया। ऐतिहासिक रूप से आदिवासी, दलित और पिछड़ी जातियों के साथ अन्याय करने वाली कांग्रेस के नेता राहुल गांधी अचानक उनके हितैषी बन गए। वे जातिगत गणना कराने और जातियों के लिए आबादी के अनुपात में आरक्षण की बात करने लगे, जबकि वास्तविकता यह है कि पहले उनकी दादी और फिर उनके पिता की सरकार ने मंडल कमीशन की रिपोर्ट को लंबित रखा और लागू नहीं होने दिया। 2004 से 2014 के मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भी कांग्रेस ने उनके हित में कोई काम नहीं किया। 2011 की जनगणना में जाति की गिनती क्यों नहीं हुई इस सवाल का क्या जवाब है श्री राहुल गांधी के पास? परंतु सत्ता से बाहर होने के बाद बेचैनी इतनी बढ़ गई कि किसी न किसी तरीके से सामाजिक विभाजन बढ़ाने का प्रयास शुरू हो गया। ध्यान रखने की जरुरत है कि इसी तरह के सामाजिक विभाजन का लाभ उठा कर मीर कासिम से लेकर मोहम्मद गजनवी, गोरी और मुगलों ने और फिर अंग्रेजों ने भारत को लूटा और हमें गुलाम बना कर रखा। अगर फिर वही गलती दोहराई गई तो देश विरोधी ताकतें मजबूत होंगी।

आदमी पर घमंड जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती

शंकर शरण

> **सोल्झेनित्सिन ने लिखा है कि आदमी पर घमंड उसी तरह सहज चढ़ता है जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती है। यानी अनायास। ज् सोल्झेनित्सिन ने अपने दीर्घ, कठिन जीवन, और हजारों अन्य लोगों के जीवन के अवलोकन से पक्की तौर पर समझा था कि अच्छे और बुरे का भेद करने वाली रेखा हर मनुष्य की आत्मा से होकर गुजरती है। उसे राष्ट्रों, समाजों, दलों, मतवादों में कदापि निर्धारित नहीं किया जा सकता।**

रूसी नागरिकों का सत्य बतलाते हुए सोल्झेनित्सिन ने अपने को देवता नहीं दिखाया है। उन्होंने नोट किया है कि अपनी गिरफ्तारी से पहले, जब कैप्टन सोल्झेनित्सिन द्वितीय विश्व युद्ध में लड़कर वापस आए, और आते ही उन को बंदी बना लिया गया (उन्होंने किसी मित्र को निजी पत्र में यह टिप्पणी की थी कि हमारे देश में हर बात में पार्टी की महानता' जोडने् की क्या झक है! यही लिखना उन का अपराध था जिस के लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया और बारह साल कैद तथा यातना शिविरों में बिताना पड़ा। बल्कि स्टालिन की मृत्यु हो जाने से काफी लोगों को छोड़ा गया था, उसी में सोल्झेनित्सिन भी छूट गये। यानी, संयोगवश ही।) लेकिन सोल्झेनित्सिन लिखते हैं कि गिरफ्तार होने से पहले वे भी अपने को ऊँचा समझते थे, और सेना में अपने मातहतों के प्रति उन्होंने भी जब-तब अनुचित व्यवहार किया था।

और कौन जाने यदि वे अपने सैनिक अफसर वाले कैरियर में ही सहज आगे बढ़ते जाते, तो अपने अहंकार में पता नहीं क्या करते होते! उन्होंने लिखा है कि आदमी पर घमंड उसी तरह सहज चढ़ता है जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती है। यानी अनायास। सो, सोवियत व्यवस्था की परिस्थितियों में, जहाँ विमानवीयकरण एक मूल तत्व था, कौन आगे चल कर क्या करता या न करता यह कहना असंभव है। अपनी गिरफ्तारी के बाद सोल्झेनित्सिन में जल्द ही निरंतर आत्म-निरीक्षण, पश्चाताप और आत्मसुधार की प्रवृत्ति बनती गई, जिस की झलक भी उन के लिखे विविध विवरणों में जहाँ-तहाँ मिलती है।

एक ऐसी निर्णायक घटना सोल्झेनित्सिन ने गुलाग' में दर्ज की है। उन के साथ एक यहूदी कैदी था, बोरिस गम्मेरोव। एक बार यह खबर आई थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने कहीं पर प्रार्थना की। इस पर उपेक्षा से सोल्झेनित्सिन ने टिप्पणी की, अरे, यह तो बस पाखंड है। यह सुनकर भावना से काँपते हुए दुर्बल गम्मेरोव ने कहा, क्या कोई राजनेता सचमुच ईश्वर में विश्वास करने वाला नहीं हो सकता? तब सोल्झेनित्सिन को एक धक्का लगा, और उन्होंने महसूस किया कि उन्होंने विचार करके नहीं, बल्कि लापरवाही से ऐसी बात कही तो सोवियत शिक्षण और जीवन में अचेत रूप से स्वीकार कर ली थी। तब से उन्होंने विशेष ध्यान देना शुरू किया कि कौन सा निष्कर्ष विवेकपूर्ण है, और कौन सा बना-बनाया है।

इस विषय पर उन के इस ग्रंथ में एक अध्याय ही है। दूसरे खंड के चौथे भाग आत्मा और कँटीले तार' का पहला अध्याय उत्थान। जिस में वे दुर्भाग्य और कैद में अपने को अधिकाधिक गंभीर और सूक्ष्म चिंतन, मनन के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने इस पर ध्यान दिया कि ऐसे भयावह यंत्रणा शिविरों में भी कम ही कैदी आत्महत्या करते हैं। आखिर कुछ तो है जो उन के अंदर जीवित है, प्रेरित करता है। क्या मनुष्य में कोई ऐसी चीज भी है जो केवल जिन्दा रहने या खुशी खोजने से अलग है?

सोल्झेनित्सिन ने लिखा है, कठिन जीवन मनुष्य की दृष्टि साफ करता है, उसे विवेक देता है। पर वह विवेक है क्या? क्या किसी भी कीमत पर जीना ही सर्वोपरि चीज है, दूसरों की कीमत पर भी? इसी प्रश्न के मोड़ पर दो अलग-अलग रास्ते बनते हैं। एक रास्ता ऊपर जाएगा, दूसरा नीचे। एक में तुम अपना जीवन खोओगे, दूसरे में अपनी अंतरात्मा। इसी मोड़ पर लोगों की आत्मा विभाजित होती है। अधिकांश वह रास्ता लेते हैं जिस में जीवन बचता है। पर यातना शिविरों में भी सोल्झेनित्सिन को अनेक ऐसे कैदी मिले जिन्होंने अंतरात्मा की कीमत पर कोई सुविधा लेने से इन्कार किया। उन्होंने ऐसे कुछ पात्रों की सत्य कथा भी पूरे-पूरे विस्तार से दर्ज की है। जैसे अन्ना स्क्रिपनिकोवा।

जबकि सोवियत शिक्षा और नैतिकता ने लोगों को यह आम पाठ पढ़ाया था कि कम्युनिस्ट पार्टी का हित और आदेश ही नागरिकों के लिए सब से पहला नैतिक मानदंड है। जिस की अनिवार्य निष्पत्ति यह भी हो जाती थी, कि तब वैयक्तिक स्तर पर जिस में अपना हित है वही कार्य सही है। अर्थात कोई स्वतंत्र, हम सब से, पार्टी और देश से भी ऊपर, कोई नैतिक मूल्य नहीं है। ऐसे लोग कुछ भी अनुचित करने को तैयार हो सकते हैं जिन्होंने यह दयनीय मतवाद स्वीकार कर लिया है कि लोगों का जीवन बस सुख के लिए बना है।

जब गुलाग के प्रकाशन के बाद सोल्झेनित्सिन को सोवियत संघ से निष्कासित किया गया, तब उन के बयानों में सुखवाद को क्षुद्र बता कर कठोर आलोचना से पश्चिमी बुद्धिजीवी क्षुब्ध हो जाते थे। उन्हें आशा थी कि सोल्झेनित्सिन यूरोप और अमेरिका में लोगों के उन्मुक्त जीवन की तारीफ करेंगे। पर सोल्झेनित्सिन ने मानवता को एक मानकर दूसरे लोगों, देशों की स्थिति से बेपरवाह केवल अपने सुख और उन्नति की चिन्ता, और केवल राष्ट्रीय हित और राष्ट्रवाद को अनैतिक बताया। यह भी, कि ऐसा देश पूरी तरह आश्वस्त भी नहीं रह सकता जब तक दूसरे देशों में जुल्म, अत्याचार, और अमानवीयता हो। उन की दृष्टि में न्याय और विवेक को राष्ट्रीय सीमाओं में विभाजित नहीं किया जा सकता। वह अखंड है। इन बातों पर पश्चिम बुद्धिजीवियों ने सोल्झेनित्सिन को सनकी धार्मिक कहा था।

पर सोल्झेनित्सिन ने अपने दीर्घ, कठिन जीवन, और हजारों अन्य लोगों के जीवन के अवलोकन से पक्की तौर पर समझा था कि अच्छे और बुरे का भेद करने वाली रेखा हर मनुष्य की आत्मा से होकर गुजरती है। उसे राष्ट्रों, समाजों, दलों, मतवादों में कदापि निर्धारित नहीं किया जा सकता। अत- किसी कार्य का परिणाम नहीं, बल्कि उसे कोई कैसे, किस भावना और मूल्य के लिए करता है ङ्क इस से उस कार्य का वास्तविक अर्थ तय होता है। तब आप अपनी दुर्बलता देख पाते हैं, और दूसरों की कमजोरियाँ भी। यानी, तब आप का चारित्रिक उत्थान होता है। आप की आत्मा जो पहले रूखी थी, अब कष्ट झेल कर परिपक्व होती है। आप अपने जीवन की परीक्षा करते हैं और पाते हैं कि आप ने कितने बुरे और लज्जाजनक काम किये थे। सोल्झेनित्सिन ने अंतत- पाया कि, जीवन का अर्थ भौतिक उन्नति में नहीं है, जो मानने के हम आदी हो गये हैं, बल्कि अपनी आत्मा के उत्थान में है। यह सत्य उन्होंने बिना भयंकर कष्ट उठाए नहीं पाया होता, इस के लिए उन्होंने जेल को अपने जीवन में आने के लिए धन्यवाद दिया।

इसलिए यह कुछ विचित्र बात है कि सोवियत कम्युनिज्म के दौर में हजारों, लाखों लोगों के उत्पीडन्, अंतहीन यंत्रणाओं, जुल्म, और? वेदना के विवरणों से भरा यह ग्रंथ पढ़कर मायूसी और निराशा नहीं होती। उलटे किसी सहृदय पाठक के मन में अंतत- एक आशाजनक भाव ही उठता है। क्योंकि आद्योपांत पढ्ने् पर गुलाग आर्किपेलाग' का संदेश यही है कि घरघोर बुराइयों के बीच भी कोई मनुष्य अच्छाई को पहचान और चुन सकता है। यह इस महान ग्रंथ की एक मूल्यवान विरासत है।

(आरएनएस)

किसी बड़े नेता पर हमले का मतलब

किसी बड़े नेता पर हमले का मतलब क्या होता है।यह सवाल कम ही पूछा जाता है क्योंकि बड़े नेता पर हमले कम होते हैं,वह इतनी कड़ी सुरक्षा घेरे में होता है कि उस तक पहुंचना ही मुश्किल होता है, हमला तो दूर की बात होती है।फिर भी किसी बड़े नेता पर कई बार हमले हों तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि उस पर ही इतने ज्यादा हमले क्यों होते हैं।इसकी एक वजह तो यह हो सकती है कि वह जितने बड़े नेता है, उनकी सुरक्षा व्यवस्था इतनी कड़ी नहीं होती है कि कोई भी उन तक पहुंचकर उन पर हमला कर देता है।

आंकड़ों के मुताबिक 14 से 24 तक केजरीवाल पर हुए हमले इस प्रकार बताए जाते हैं।5 मार्च 2014 को अहमदाबाद में केजरीवाल की गाड़ी पर पत्थर फेंके गए थे।25 मार्च 14 को वाराणसी में केजरीवाल पर स्याही व अंडे फेंके गए थे,28 मार्च 14 को हरियाणा में अन्ना समर्थक ने उनको एक थप्पड़ लगा दिया था।4 अप्रैल 14 को दिल्ली में एक रोड शो के दौरान एक शख्स ने उनकी पीठ पर मारा था।21नवंबर 2018 को दिल्ली सचिवालय में अनिल कुमार शर्मा ने केजरीवाल को आवेदन देने के बाद उनकी आंख में मिर्च पाउडर फेंकने का प्रयास किया था।9 अप्रैल 2016 को प्रेस वार्ता के दौरान एक युवक ने केजरीवाल पर जूता फेंका था। 22 जनवरी 16 को छत्रसाल स्टेडियम में एक महिला ने केजरीवाल पर स्याही फेंकी थी।8 अप्रैल14 को दिल्ली के सुल्तानपुरी में उनको किसी ने थप्पड़ मार दिया था। 18 नवंबर13 को केजरीवाल पर किसी ने स्याही फेंक दी थी।18 अक्टूबर 11 को लखनऊ में किसी ने उन पर चप्पल फेंकी थी।

इस तरह देखा जाए तो 11 में एक बार,13 में एक बार,14 में चार बार,16 में दो बार,18 में एक बार और 24 में एक बार कुल 10 बार हमले हो चुके हैं। उनके अलावा उनके स्तर के किसी बड़े नेता आज तक जनता ने तो इतनी बार हमला नहीं किया है। वैसे तो केजरीवाल पर जब भी हमला होता है तो खुद केजरीवाल और सारे आप नेता यही कहते हैं कि हमले तो केजरीवाल पर भाजपा ही करवाती है।केजरीवाल जेल में थे तो आप नेता कहते थे कि भाजपा केजरीवाल की जान लेने की साजिश कर रही है। अब केजरीवाल सीएम पद छोड़ चुके हैं, वह अब आप के संयोजक व विधायक भर हैं, हो सकता है अब सीएम को मिलने वाली सुरक्षा उनको न मिल रही हो,इसलिए नाराज लोगों को पास जाकर थप्पड़ मारने का मौका मिल रहा है,अगर ऐसा है तो यह तो सरासर केजरीवाल व आप पार्टी की गलती है कि उसने अपने सबसे बड़े नेता की सुरक्षा व्यवस्था ऐसी नहीं बनाई है कि कोई उनके पास तक न पहुंच सकें। जनता तो वैसे ही नेताओं से नाराज रहती है कि उनकी तकलीफके लिए यही लोग दोषी है, इसलिए एक वोट देने वाली जनता अपने नेता को एक थप्पड़ भी लगा देती है।

लोकतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए लेकिन ऐसा होता है तो इसके लिए नेता भी कम दोषी नहीं है, खुद तो साफपानी के स्वीमिंग पूल में नहाते हैं, और जनता को पीने के लिए साफ पानी तक नहीं देते हैं तो जनता का नाराज होना स्वाभाविक है।वैसे केजरीवाल को सीएम पद से इस्तीफा देने व शीशमहल के सामान की सूची दिल्ली में सार्वजनिक होने के बाद जनता के बीच जाने से बचना था,उनको जनता के बीच न जाने देने के लिए सिसोदिया ने खुद पदयात्रा शुरू की थी, लेकिन केजरीवाल ने खुद की पदयात्रा निकालने का फैसला किया और परिणाम वही हुआ तो सिसोदिया नहीं चाहते थे।इस बार विकास पुरी में पदयात्रा के दौरान किसी ने उनको एक थप्पड़ लगा दिया।

केजरीवाल तो राजनीति के मास्टर है, वह हर मौके पर विक्टिम कार्ड खेलना बखूबी जानते हैं, इसलिए इधर थप्पड़ पड़ा, उधर केजरीवाल ने कह दिया कि उन पर हमला भाजपा ने करवाया है। इस मामले में भाजपा नेताओं का कहना है कि वह ऐसा करके दरअसल जनता की सहानुभूति लेना चाहते हैं क्योंकि दिल्ली की जनता में उनके भ्रष्टाचार व कुशासन को लेकर गहरी नाराजगी है। अभी दिल्ली विधानसभा में वक्त है, फिर भी वह जनता के बीच जाकर जनता की नाराजगी को समझने का प्रयास कर रहे है और आने वाले समय में कैसे दूर किया जा सकता है, इसका कोई उपाय भी करें। भाजपा यदि दस साल बाद जनता की नाराजगी दूर चुनाव जीत सकती है तो केजरीवाल भी सोच सकते हैं कि जो काम भाजपा कर सकती है, वह काम मैं क्यों नहीं कर सकता। कोई माने या न माने देश में केजरीवाल ही ऐसे नेता हैं जो जनता के थप्पड़ खाकर बड़े नेता बने है, चुनाव के बाद चुनाव जीते हैं। फिर से थप्पड़ खाकर फिर से चुनाव जीतने का करिश्मा कर सकते हैं। जैसे कहा जाता है कि कांग्रेस चुनाव इसलिए हार जाती है कि उसके पास मोदी जैसा नेता नहीं है, वैसे ही भाजपा दिल्ली के बारे में कहा जाता है कि वह इसलिए चुनाव हारती है कि उसके पास केजरीवाल की बराबरी का कोई नेता नहीं है।

(ये लेखक के विचार है)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

खास खबर

सेवानिवृत्ति पर बीएसपी प्रबंधन ने दी भावभीनी विदाई

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से अक्टूबर 2024 माह में कुल 84 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिसमें खदान बिरादरी के सदस्यों सहित 08 कार्यपालक व 76 गैर-कार्यपालक शामिल हैं। 30 अक्टूबर 2024 को भिलाई निवास में आयोजित समारोह में संयंत्र के गैर-कार्यपालकों को भावभीनी विदाई दी गई। भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ कौषलेन्द्र ठाकुर, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) संदीप माथुर, महाप्रबंधक (क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं) श्री विजय शर्मा तथा उप महाप्रबंधक (क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं) सही राम झाखर ने कार्मिकों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान किया। संयंत्र प्रबंधन ने विदा होने वाले इस्पात बिरादरी के सदस्यों के योगदान को रेखांकित करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर ली गई एकता की शपथ

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिले के समस्त शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में पूर्वान्ह 11 बजे अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी अरविंद एक्का ने विभागीय अधिकारी/कर्मचारियों को भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ दिलाई। शपथ में कहा गया है कि मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूँ मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यो द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूँ। इसी प्रकार जिला मुख्यालय के सभी कार्यालयों में भी अधिकारी/कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली।

संस्था ने जरूरतमंद परिवारों को बांटे उपहार

भिलाई। रूपाली महतारी गुड़ी बहुउद्देशीय संस्था भिलाई द्वारा टंकी मरोदा शिव पारा बस्ती में निर्धन परिवारों को दीपावली के उपलक्ष्य में दीया, कलश, नांदी, बाती, तेल, बताशा, लाइयी, चीरोंजी, फल और साड़ी भेंट में दी। ताकि उनके घर घर आंगन में भी दीपावली पर रौशनी हो। साथ ही साथ गौरी-गौरा, देवारी और मातर की शुभकामनाएं दीं। शनि मंदिर सेक्टर 6 के गोविंद शर्मा की ओर से साड़ी भेंट की गई। अध्यक्ष शान्ता शर्मा, संस्था की संरक्षक संगीता दास, विक्रम कोशिश, गजेंद्र टंडन, मयंक ठाकुर, रमन साहू उपस्थित रहे।

एकल खिड़की प्रणाली सीजीआवास पोर्टल के लंबित प्रकरणों का शीघ्र करें निराकरण - एडीएम एक्का

श्रीकंचनपथ न्यूज

सीजीआवास पोर्टल' में प्राप्त प्रकरणों का निराकरण 100 दिवस के भीतर किया जाना आवश्यक

दुर्ग। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी अरविंद एक्का की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में एकल खिड़की प्रणाली 'सीजीआवास पोर्टल' में लंबित प्रकरणों के संबंध में नगर निगम एवं नगर तथा ग्राम निवेश के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में एडीएम ने विभिन्न विभागों में सीजीआवास पोर्टल से प्राप्त लंबित प्रकरणों की जानकारी ली और लंबित प्रकरणों का समय सीमा में शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑनलाईन सीजीआवास पोर्टल में तकनीकी त्रुटियों का निराकरण करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रावधानों के तहत अनापत्ति प्रदाय किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

एडीएम श्री एक्का ने कहा कि प्रकरणों का निराकरण एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से 100 दिवस के भीतर किया जाना आवश्यक है। समय समय पर प्रकरणों का निराकरण हेतु आवश्यक प्रशिक्षण व तकनीकी सहयोग प्रदान भी की जा चुकी है। ज्ञात हो कि नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 29/16 में प्रकरणों की निराकरण की समय सीमा निर्धारित है। पोर्टल में निराकरण संबंधी किसी प्रकार की तकनीकी समस्याओं के लिए संचालनालय नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, इन्द्रावती भवन, ब्लाक 04, तीसरी मंजिल अटल नवा रायपुर में पदस्थ विषय विशेषज्ञ श्री इन्द्रेश कुमार (साफ्टवेयर इंजीनियर) की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर समय सीमा के पश्चात भी कई विभागों के प्रकरण लंबित है, जो कि वर्ष 2020, 2021, 2022 एवं 2023 के प्रकरण हैं, उन्हें शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

ज्ञातव्य है कि शासन द्वारा प्रदेश में आवासीय कॉलोनी/टाउनशिप के विकास की अनुज्ञा की प्रक्रिया को सरलीकृत एवं पारदर्शी करते हुए एकल खिड़की प्रणाली की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। एकल खिड़की प्रणाली हेतु छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 नियम 16 क (परिशिष्ट क-1) आवेदन पत्र इलेक्ट्रानिक पद्धति (ऑनलाईन) आवेदन का प्रारूप निर्धारित है। एनआईसी के माध्यम से कॉलोनी की स्वीकृति हेतु संबंधित विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित किये जाने तथा समय-सीमा में अनापत्ति/अनुमति दिये जाने हेतु ऑनलाईन पोर्टल सीजीआवास (छत्तीसगढ़ ऑटोमेटेड वर्क फ्लो एण्ड अप्रूवल सिस्टम) को विकसित किया गया है। संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश श्री सूर्यभान ठाकुर ने बताया कि पोर्टल में सभी संबंधित विभागों को इंटरनेट के माध्यम से जोड़ते हुए समय-सीमा में अनुमति/अनापत्तियों ऑनलाईन पोर्टल पर दिए जाने का प्रावधान है। एकल खिडकी प्रणाली के सुचारू रूप से संचालन हेतु छत्तीसगढ़ शासन आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा जिले में अपर कलेक्टर को नोडल ऑफिसर बनाया गया है। विकासकर्ता/निर्माणकर्ता/स्वामी के द्वारा विकसित की जाने वाली आवासीय कॉलोनी में एकल खिड़की के माध्यम से सीजीआवास पोर्टल के माध्यम से आवेदन को ऑनलाईन अपलोड करने को कहा। सभी संबंधित विभागों द्वारा चाहे गये दस्तावेजों के आधार पर एकीकृत चेकलिस्ट. शपथ पत्र का प्रारूप निर्धारित किया गया है, जिसके अनुसार संबंधित विभाग द्वारा अनापत्ति प्रदाय करते हुए ऑनलाईन के माध्यम से अनापत्ति अपलोड किया जाना होगा।

रन फॉर युनिटी का सफलतापूर्वक हुआ आयोजन

एकता के जज्बे के साथ जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने एकता की शपथ लेकर लगाई दौड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा 30 अक्टूबर 2024 को प्रात: 7.30 बजे सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस दौड़ का आयोजन किया गया। एकता के लिए दौड़ (रन फॉर युनिटी) को रविशंकर स्टेडियम दुर्ग के मुख्य गेट पर कार्यक्रम के अतिथि दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, महापौर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त दुर्ग संभाग सत्य नारायण राठौर, सहायक कलेक्टर एम भार्गव, अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, जिला पंचायत दुर्ग के सीईओ बजरंग दुबे, एस.डी.एम दुर्ग हरवंश मिरी, कमिश्नर नगर निगम दुर्ग लोकेश चन्द्राकर, एएसपी सुखनंदन राठौर, सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी, हरिश पाटिल सीएसपी, उत्तम ध्रुव डिप्टी कलेक्टर दुर्ग, आर के कुर्रे उपसंचालक रोजगार, अमीत घोष सहायक संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग, तनवीर अकील सहायक जिला क्रीडा अधिकारी दुर्ग, एवं नीलकंठ वर्मा रक्षित निरिक्षक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

एकता की दौड़ आयोजन स्थल रविशंकर स्टेडियम के मुख्य गेट से प्रारम्भ होकर शा.आदर्श कन्या शाला, गांधी चौक, बस स्टैंड होकर चर्च रोड से होते हुए पुन: मुख्य गेट रविशंकर स्टेडियम पहुंच कर समाप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने एकता की शपथ ली। इस दौड़ में जिले के खिलाड़ी लगमग 300 बालक/बालिकाएं, व्यायाम निर्देशक, पुलिस आरक्षक, खेल संघ के पदाधिकारी/राष्ट्रीय/राज्य स्तर के खिलाड़ियों के साथ-साथ जिला प्रशासन के सभी अधिकारी सम्मिलित हुए। विभाग की ओर से सम्मानीय अतिथियों एंव प्रतिभागियों को टोपी वितरित कर नाश्ता एंव पेयजल की व्यवस्था की गई। दौड़ के मार्ग में सतीश ठाकुर उपपुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा सुचारु यातायात व्यवस्था एवं नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा पेयजल व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सक एंव एम्बुलेंस व्यवस्था की गई। शिक्षा विभाग द्वारा व्यायाम शिक्षकों की सेवाएं उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री हरगुलशन, भुपेन्द्र हिरवानी, मुकेश श्रीवास्तव, ईश्वरी देशमुख, भरत

ताम्रकार, सुजित यादव, बालक दास डहरें का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप भुवाल एवं नरोत्तम साहू, अभार प्रदर्शन विलियम लकड़ा सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा किया गया।

सेल-बीएसपी द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत 'वॉकेथॉन' का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में 30 अक्टूबर 2024 को इस्पात भवन से इक्विपमेंट चैक तक प्रात: 7:00 बजे से 'वॉकेथॉन' का आयोजन किया गया। संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शपथ दिलाने के उपरान्त 'वॉकेथॉन' को झंडी दिखाकर कर रवाना किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के विषय सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि पर जागरूकता फैलाने हेतु इस 'वॉकेथॉन' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ. ए के पंडा, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान) बी के गिरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ.रविन्द्रनाथ एम, सयंत्र के ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एन के बंछोर, ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव परविंदर सिंह सहित संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण समेत क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नगर सेवाएं विभाग के सदस्य तथा इस्पात नगरी के विभिन्न खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 का औपचारिक उद्घाटन 28 अक्टूबर 2024 को संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा किया गया था। सतर्कता विभाग द्वारा इस पहल के तहत विभिन्न भाषण, चित्रकला, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कला मंदिर में 2 नवंबर 2024 को आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 भ्रष्टाचार के खतरों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग का एक अभिनव प्रयास है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह हर साल अक्टूबर के आखिरी सप्ताह से नवंबर के पहले सप्ताह तक मनाया जाता है।

दिवाली के पहले बांटा 'खुशियों' वाला गिफ्ट, भावुक हो गए वृद्धाश्रम के बुजुर्ग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग द्वारा 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दुर्ग जिले के अलग अलग स्थान जिसमें वृद्धाआश्रम, अनाथ हॉस्पिटल बालआश्रम, मंदबुद्धि स्कूल, दुर्ग स्टेशन, समृद्धि बाजार के पास, बस स्टैंड एवं शहर के अन्य स्थानों में जीवन यापन कर रहे गरीब, असहाय, महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे जिनके पास या तो घर नही है या फिर भीख मांगकर फुटपात में रह रहे है सभी महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों को नये कपड़े, मिष्ठान, नमकीन, रंगीन फटाखे, का वितरण करके खुशियों की दीपवाली सप्ताह बनाया जा रहा है।

देश में गरीब बच्चों का मन भी दीवाली में पटाखे जलाकर मिठाई खाने का होता है, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण ऐसे घरों के बच्चे अपना मन मार कर रह जाते हैं। अब से पहले आसमान में छूटने वाले पटाखों को देखकर ही गरीब बच्चे खुश हो जाते थे। लेकिन इस बार दुर्ग जिले में जन समर्पण सेवा संस्था, ऐसे गरीब बच्चों एवं बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरने के लिए उनकी बस्ती, फुटपात, आश्रम, और मोहल्ले तक पहुँच रही है, संस्था द्वारा इस वर्ष की दीपावली पर्व पर जरूरतमंदों की खुशियों की दीपवाली सप्ताह बना रही है। जिसमें 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक जिले के गरीब बच्चों एवं जरूरतमंदों को नया कपड़े, पटाखे, मिठाई, नमकीन, साबुन, निरमा, बिस्किट, चॉकलेट का वितरण किया जा रहा हैं। पटाखे और मिठाई पाकर ये बच्चे एवं जरूरतमंद लोग गदगद हो रहे है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की दीपावली फीकी नहीं हो, वो भी नया कपड़ा पहनकर, फटाखे जलाये और उनका मुँह मीठा हो, जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग ने इसका बीड़ा उठाया है। जन समर्पण सेवा सँस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि जरूरतमंदों के साथ खुशियों की दीपावली सप्ताह के चौथे दिवस संस्था द्वारा दुर्ग वृद्धाआश्रम में निवास कर रहे बुजुर्गों में महिलाओं को नयी साड़ी, पुरुषों को नया कुर्ता पैजामा एवं सभी बुजुर्गों को खुशियों की दीवाली बनाने हेतु मिष्ठान, नमकीन, बिस्किट, प्लास्टिक बर्तन, साबुन, निरमा एवं अन्य जरूरत की सामग्री वितरण की गयी। सँस्था द्वारा पिछले 3 दिन में लगभग 200 से अधिक गरीब बच्चों, एवं 190 से अधिक महिलाओं एवं पुरुषों को दीपावली के लिए जरूरत की सामग्री का वितरण किया गया जा चुका है, जिसे देखकर सभी बच्चे, बुजुर्ग महिलाएं एवं पुरुष अति उत्साहित होकर संस्था के सदस्यों को धन्यवाद दिए। आज के सेवा कार्य मे सँस्था के पायल जैन नवकार परिसर, सँस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी, आशीष मेश्राम, रूपल गुप्ता, प्रतिभा पुरोहित, अर्जित शुक्ला, महेंद्र साहू, प्रकाश कश्यप, सुजल शर्मा, राजेन्द्र ताम्रकार, अख्तर खान, मृदुल गुप्ता, दद्दू ढीमर, रिषी गुप्ता, मोहित पुरोहित, खुश चन्की मनहरे किशन चौरसिया, अश्वनी साडेकर, अमन मनहरे, अनमोल पांडेय नमन खंडेलवाल अक्षत, सुयश गुप्ता, सार्थक शर्मा, मोक्ष शर्मा, डोमन सिन्हा एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

खास खबर...

रायपुर रेलवे स्टेशन में लगे जय श्रीराम के नारे, सिंधी काउंसिल का नि:शुल्क दीया वितरण

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई युवा विंग द्वारा नि:शुल्क दीया एवं रंगोली वितरण का आयोजन रायपुर रेलवे स्टेशन में रखा गया एक दीया श्रीराम के नाम। सिंधी काउंसिल प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने कहा रेलवे स्टेशन में सबसे पहले कुली संघ के अध्यक्ष धनीराम का सम्मान किया गया और सभी कुलियों को दीया एवं रंगोली वितरित की गई। साथ में रेलवे के सफाई कर्मचारियों को भी सामग्री दी गई। ट्रेन के मुसाफिर को जब दिए लेकर चेहरे में मुस्कान के साथ हैप्पी दिवाली की बधाई दी। सिंधी काउंसिल युवा विंग अध्यक्ष रवि ग्वालानी ने कहा रेलवे स्टेशन में समस्त मुसाफिर बड़ी संख्या में दिए और रंगोली वितरण किया गया। सभी ने इस कार्य को सराहा।

आयोजन में सिंधी काउंसिल प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, युवा विंग अध्यक्ष रवि ग्वालानी, धनेश मटलानी, महेश खिलनानी, गौतम रेलवानी, सुनील वाधवा, नरेश पंजवानी, डॉ. निखिल मोतीरामानी, राजू मनवानी, संदीप थोरानी, विनय नागदेव, बिट्ठू हबलानी, विक्रम मंधान, आशीष वासवानी, रितेश रंगलानी, अविनाश खेतपाल, जय रेलवानी, सूरज जसवानी, मनीष थारानी एवं सनी मनोजा उपस्थित थे।

जेल गए व्यक्ति के परिवार का समाज के लोगों ने किया सहयोग

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार हिंसा में जेल गए व्यक्ति के परिजनों को सतनामी सामाज के लोगों ने राशि और अनाज सहयोग के रूप में प्रदान किया है। बकतरा गांव के परिवार के घर जाकर गुरु बालकदास सेवा समिति और सतनामी समाज ने घर जाकर 5 हजार आठ सौ पच्चीस रुपए और 70 किलो चावल परिवार को सौंपा।

सामाजिक कार्यकर्ता अजय वंशे ने सभी सहयोग कर्ताओं का आभार व्यक्त किया। अजय वंशे ने बताया कि, हमारे समाज के स्वाभिमान के लिए हमारे साथी जेल में बंद है। ऐसे विषम परिस्थितियों में हमने उनके परिवार को सहायता करने की आवश्यकता को महसूस किया। आगे वंशे ने कहा कि, सहयोग कैंपेन चलाकर और परिवार के घर वाले को सहयोग की राशि और अनाज प्रदान किया है। समाज के लोगों ने अपनी- अपनी सामर्थ के हिसाब से अनाज और सहयोग राशि दी है।

रामेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, फत्ते लाल भारती, चैतलाल जांगड़े, ढुलूराम बंजारे, सुनित सोनवानी, राधेश्याम बंजारे,सतीश हीरवानी, गिरधारी भारती, सुरेश चतुर्वेदी, विजेंद्र भारती, अजय वंशे, महेंद्र जांगड़े, कुशाल मारकंडे, लक्ष्मीकांत, संत चतुर्वेदी, राहुल टंडन, चंद्र नारायण भारती, संजय चतुर्वेदी, डोमन सोनवानी, दुलेश्वर मनहरे, विनय सोनवानी और करण भारती उपस्थित रहे।

लापरवाही से अंधत्व का खतरा, पटाखे सावधानी से चलाएं : डॉ. मिश्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पटाखों से आंखों में लगी चोटों के नि:शुल्क परीक्षण एवं उपचार के लिए नगर के वरिष्ठ नेत्र एवं कॉन्टेक्ट लेंस विशेषज्ञ डॉ. दिनेश मिश्र द्वारा इस वर्ष भी दीवाली में दो दिवसीय नि:शुल्क नेत्र शिविर लगाया जा रहा है। यह शिविर डॉ. दिनेश मिश्र के फूल चौक स्थित रायपुर नेत्र चिकित्सालय में 31 अक्टूबर से 1 नवंबर की रात्रि तक संचालित होगा।

दीपावली में चिकित्सकों की अनुपलब्धता व मरीजों को होने वाली कठिनाईयों को देखते हुए यह 67वा शिविर लगातार 34 वें वर्ष आयोजित किया जा रहा है। पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं को ध्यान में रखकर सन् 1991 में इस प्रकार के शिविर की शुरूआत की गई थी ताकि पटाखों के कारण जलने व आंख को होने वाली चोटों के त्वरित एवं नि:शुल्क उपचार की सुविधा मरीजों को प्राप्त हो सके।इसी प्रकार का शिविर होली में भी आयोजित किया जाता रहा है.पिछले 33 वर्षो में करीब 4300 से अधिक ऐसे मरीजों का उपचार एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी गई है तथा इस शिविर की अंचल में एक विशिष्ट पहचान बन चुकी है।

डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा दीपावली ज्योति पर्व है, नेत्र ज्योति अनमोल है, लेकिन असावधानी से चलाये गये पटाखे किसी भी व्यक्ति की नेत्र ज्योति के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकते है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि दीवाली में पटाखों को लापरवाही से न चलावें, बल्कि अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। बम,अनारदाना, रॉकेट आदि चलाते समय पर्याप्त दूरी व सावधानी रखें। पटाखों को अधिक झुककर न चलावें, क्योंकि पटाखें कई बार अपेक्षाकृत जल्दी फूट जाते हैं व बचाव का समय नहीं मिलता। पटाखे जलाकर सड़क पर न उछालें। छोटे बच्चों को जलते हुए दिये व मोमबत्ती के पास अकेला न छोड़ें। बच्चों को अकेले पटाखें न चलाने दें। पटाखा शरीर के नजदीक फ्टने से हाथ, चेहरा, आंखे, कपड़ों के झुलसने का खतरा रहता है। सिर के बाल, भौंहे, बरौनियां, पलकें, आंखों का भीतरी भाग साधारण से गंभीर रूप से झुलस सकता । पटाखा बनाने में गंधक, पोटाश, कोयला, कंकड़, सुतली, कपड़े, कागज का उपयोग होता है। आंख के नजदीक पटाखा फूटने से आंखों में गैस, बारूद, कोयला चला जाता है। जिससे पलकें, आंखों की झिल्ली, कंजेक्टाइवा, पुतली व अन्दरूनी हिस्से को साधारण से गंभीर रूप से क्षति पहुंच सकती है।

बड़े पटाखों से आंख में चोट से आंख में खून उतरने, मोतियाबिंद होने तथा आंख का परदा उखड़ने तक की संभावना हो सकती है। आहत व्यक्ति आंखों में तेज जलन आना, दर्द, धुंधलापन, कसक की शिकायतें करता है। यदि आंखों के पास कोई पटाखा फूट जावे तथा इस प्रकार की तकलीफें हो तो आंखों को रगड़े नहीं बल्कि साफ पानी से चेहरे व आंखों को धो लें ताकि आंखों व चेहरे पर लगा गर्म, विघटित पदार्थ धुल जावे, नि:शुल्क परामर्श व उपचार के लिये फोन नंबर 4026101, 98274-00859 (मो.) पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।

रेल परिवार ने रायपुर मंडल के सेवानिवृत्त सदस्यों को दी भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल परिवार के 18 सदस्य (11 सामान्य एवं 07 असामान्य) अक्टूबर 2024 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत हुए। उनकी सेवानिवृत्ति पर एक समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह में मंडल कार्मिक अधिकारी (श्रीमती निकिता अग्रवाल), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक (श्रीमती सुमित्रा पाल), सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 18 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 03, इंजीनियरिंग विभाग से 04, परिचालन विभाग से 05, विद्युत विभाग से 04 एवं वाणिज्य विभाग से 02 कर्मचारी शामिल है।

सामुदायिक भवन में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई7 इस अवसर पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया। ई-पेमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये 7,71,95,516/- का भुगतान किया गया। पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आश्रितों का पास कार्ड, सेवा मेडल दिनांक 30/10/2024 को प्रदान किया गया।

मंडल कार्मिक अधिकारी एवं सहायक मंडल वित्त प्रबंधक ने सभी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा के दौरान अपने दायित्यो का निर्वहन अच्छे से करने पर बधाई दी तथा स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए सेवानिवृत्त जीवन को अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ आनंदपूर्वक व्यतीत करने की बात कही, साथ ही सेवानिवृत्ति के दौरान मिली राशि को सही जगह निवेश करने की सलाह दी। अंत में उन्होंने सभी को सेवानिवृति के पश्चात् सुखद भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनायें दी।

साहित्यकार प्रीति हुईं सम्मानित, साहित्य के क्षेत्र में दे रही हैं सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की युवा साहित्यकार प्रीति द्विवेदी को हमरंग फाउंडेशन, नई दिल्ली ने साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित किया है। प्रीति द्विवेदी अलग- अगल संस्थाओं से जुड़कर साहित्य की सेवाएं दे रही हैं। इससे पहले भी वे कई तरह के सम्मान से सम्मानित हो चुकी हैं। हमरंग फाउंडेशन ने हिंदी और उर्दू साहित्य के विस्तार में योगदान देने वाले साहित्यकारों को साहित्य भूषण सम्मान- 2024 से नवाजा है।

प्रीति द्विवेदी रायपुर की रहने वाली हैं। वर्तमान में वे साहित्य सेवा के लिए कई संस्थाओं में अलग- अलग पद पर कार्यरत होकर अपनी साहित्य सेवाएं दे रही हैं। प्रीति द्विवेदी इससे पहले भी महिला रत्न सम्मान, विद्या वाचस्पति मानद उपाधि नारी काव्य सागर सम्मान, आजादी का अमृत महोत्सव, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, लघुकथा सम्मान जैसे अनेकों सम्मानों से भी सम्मानित हो चुकी हैं।

हमरंग फाउंडेशन शुरू से ही साहित्यकारों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से निस्वार्थ भाव से काम करती है। समय-समय पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करती रहती है। जिससे लिखने-पढ़ने वाले लोगों को एक सुंदर मंच मिले। संस्था के संस्थापक और अध्यक्ष यज्ञेश्वर ने बताया कि, इस प्रकार के आयोजन से साहित्यकारों से संबंध बढ़ता है। सभी मिलकर साहित्य की सेवा करे, बस यही एक मात्र उद्देश्य है। संस्था के राष्ट्रीय सचिव विवेक तिवारी ने भी सम्मान प्राप्त करने वाले सभी साहित्यकारों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

मारवाड़ी युवा मंच व जागृति शाखा ने जरूरतमंद बच्चों के बीच मनाई दिवाली, चेहरे पर बिखेरी मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा द्वारा हर वर्ष के भाति इस बार भी जरूरतमंदों के साथ दीपावली का पर्व आनंद सबके लिए कार्यक्रम के तहत राम सागर बस्ती में मनाया गया। इस दौरान मंच के सदस्यों के द्वारा बस्ती के बच्चों को मिठाई, चॉकलेट एवं पटाखों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर मंच के निवृत्तमान अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमर सुल्तानिया ने कहा कि दीपावली खुशियों का त्यौहार है भेद भाव को मिटाकर आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द्र बढ़ाने वाले इस महत्वपूर्ण अवसर पर जरूरतमंदों के चहरे पर मुस्कान लाना और दीपावली की खुशियां बांटना हमारा उद्देश्य है। इस उत्साह के पर्व को सभी साथ मिलकर मनाये और सभी का जीवन उत्साह, उमंग की रौशनी से सराबोर हो यही हमारी कामना हैं। अमर सुल्तानिया ने बताया कि देश भर के 800 शाखाओं एवं प्रदेश के 75 शाखाओं के द्वारा आनंद सबके लिए कार्यक्रम के तहत जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

आनंद सबके लिए कार्यक्रम के तहत रामसागर बस्ती में जरूरतमंद के बच्चों के बीच मंच के निवृत्तमान अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमर सुल्तानिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष कार्यालय विक्रांत अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष अखिल बंसल, सचिव आकाश सिंघानिया, कोषाध्यक्ष नवदीप गुप्ता, रक्तदान संयोजक हिमांशु अग्रवाल, नारी चेतना के प्रांतीय चेरयमेन सुनिता मोदी, जागृति शाखा अध्यक्ष शिखा अग्रवाल, सचिव बबीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कल्याणी भोपालपुरिया, उपाध्यक्ष पूनम अग्रवाल एवं वरिष्ठजन व मंच के साथी उपस्थित रहें।

दीपावली में शांति व सुरक्षा को देखते हुए पुलिस कर रही पैदल पेट्रोलिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशन में धनतेरस, दीपावली पर्व को दृष्टिगत शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था को मद्देनजर रखते हुए सभी थाना क्षेत्र में लगातार थाना प्रभारियों द्वारा पैदल पेट्रोलिंग गशत किया जा रहा है। दुकानों में भीड़ को देखते हुए संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है एवं सदर बाजार,बस स्टेशन, सहित अलग-अलग जगहों पर पुलिस की टीम द्वारा पैदल पेट्रोलिंग गस्त एवं पुलिस पेट्रोलिंग द्वारा आउटर एवं सुनसान इलाके एवं बाजार वाले स्थानों पर संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु पर नजर रखी जा रही है। एवं संघन पैदल पेट्रोलिंग गशत की जा रही है। पुलिस पार्टी द्वारा लगातार संवेदनशील मार्गों पर भ्रमण करते हुये सदर बाजार एवं भीड़ भाड़ वाले जगहों का निरीक्षण कर पेट्रोलिंग किया जा रहा है। भीड़ भाड़ वाले सभी स्थानों पर्याप्त पुलिस बल भी लगाया गया है। साइबर टीम सहित सादे कपड़ों में भी पुलिस बल तैनात किया गया है जिसके द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनो पर सतत् नजर रखी जा रही है। सभी अनुभाग धमतरी,नगरी,कुरूद के सभी थाना क्षेत्रों में संघन पैदल पेट्रोलिंग अभियान चलाया जाकर पैदल गशत की गई। उक्त पैदल पेट्रोलिंग में सभी थाना प्रभारियों एवं पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा पैदल पेट्रोलिंग की गई।

सदर मार्ग में यातायात की टीम ने किया पैदलमार्च

धमतरी पुलिस यातायात उप पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चन्द्रा के द्वारा हमराह स्टॉफ व नगर निगम टीम के शहर के सदर मार्ग में त्यौहारी सीजन होने से यातायात का दबाव अत्यधिक होने से यातायात व्यवस्थित करने घड़ी चौक से कचहरी ढलान तक एवं बालक चौक से आमापारा तक पैदल पेट्रोलिंग करते हुए दुकान के बाहर निकालकर सामान फैलाने वालों दुकानदारों को समझाईश देकर दुकान के सामानों को अदंर कराया गया। मार्ग में ठेला, पसरा लगाकर व्यवसाय कर रहे व्यवसायियों को मार्ग से किनारे कराकर यातायात व्यवस्थित की गई, साथ ही दुकानों के बाहर बेतरतीब खड़े वाहनों को व्यवस्थित कराया गया एवं दुकानदारों को बताया गया कि ग्राहकों के वाहनों को निर्धारित किये गये पार्किंग स्थल गुरुद्वारा गली, सराय मार्केट एवं मकई गार्डन में पार्किंग करने बताया गया। दुकानों के होर्डिंग्स को बाहर न लगायें, दुकान के बाहर एक कर्मचारी रखने जो ग्राहकों के वाहनों को व्यवस्थित करा सके बताया गया। यातायात पुलिस सभी व्यवसायियों से अपील करती है, कि अपने दुकानों के सामानों को बाहर निकालकर न रखे ठेला पसरा को मार्ग में न लगाये, ग्राहकों के वाहनों को व्यवस्थित लगायें।

भोजपुरी अदाकारा आकांक्षा पुरी ने ब्लू बिकिनी में गिराई बिजली

साउथ और टीवी इंडस्ट्री में अपनी अदाओं से राज करने वाली एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने टीवी शो मीका दी वोटी में खूब लाइमलाइट बटोरी थी। इन सबके अलावा वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। खुद से जुड़े अपडेट्स शेयर करती रहती हैं।

अदाकारा आकांक्षा पुरी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक बेहद हॉट और बोल्ड वीडियो शेयर किया है, जिसने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है। इस वीडियो में आकांक्षा ब्लू बिकिनी में स्विमिंग पूल में बेहद कातिलाना अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। उनके खुले बाल और सन ग्लासेस उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। आकांक्षा के इस वीडियो को देखकर उनके फैंस उनके लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फैंस ने कमेंट्स में आकांक्षा को बेहद खूबसूरत और हॉट बताया है। कुछ फैंस ने तो उन्हें ब्लू बिकिनी बेबी तक कह डाला है।

आकांक्षा पुरी की वीडियो पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। फोटोज में उनके एब्स को देखकर नेटिजन्स काफी एक्साइटेड हो गए हैं। यहां तक कि सेलेब्स भी खूब कमेंट्स कर एब्स की तारीफ कर रहे हैं।

आकांक्षा के इस फोटोशूट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और यह तेजी से वायरल हो रहा है।

26 जुलाई, 1988 को इंदौर, मध्य प्रदेश में जन्मी आकांक्षा पुरी आज सफल एक्ट्रेस और मॉडल हैं। उन्होंने मीका सिंह के शो मीका दी वोटी से काफी सुर्खियां बटोरी थी। इस शो में मीका संग उनकी कैमिस्ट्री खूब चर्चा में रही थी।

अनुपम खेर की विजय 69 का ट्रेलर जारी

अक्षय रॉय द्वारा निर्देशित अनुपम खेर अभिनीत 'विजय 69' के निर्माताओं ने दिल को छू लेने वाली फिल्म का ट्रेलर जारी किया है। यह फिल्म एक 69 वर्षीय व्यक्ति की अपरंपरागत यात्रा के बारे में बात करती है।फिल्म के निर्देशक ने कहा, विजय 69 जिंदगी में दूसरी बार मिलने वाले मौकों पर आधारित एक फिल्म है। इसमें दिखाया गया है कि हम अपने जीवन में वास्तव में क्या करना चाहते थे और क्या बन गए। यह फिल्म इसके बीच के अंतर के बारे में बात करती है।

उन्होंने अनुपम खेर के साथ काम करने को एक शानदार अवसर बताते हुए कहा, उन्होंने (अनुपम खेर) न केवल खुद को पूरी तरह से इस भूमिका के लिए समर्पित किया, बल्कि इस भूमिका में वो गहराई और प्रामाणिकता लेकर आए जो केवल एक खास अभिनेता ही कर पाता है। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स के सहयोग को सफल बनाने के लिए मेरे निर्माता मनीष शर्मा के साथ एक बार फिर काम करना खुशी की बात थी। हमारा इरादा एक ऐसी फील-गुड फिल्म बनाने का था जो उम्मीद है कि सभी पीढ़ियों के दर्शकों को पसंद आएगी।

फिल्म में 69 वर्षीय व्यक्ति की अपरंपरागत यात्रा को दिखाया गया है जो ट्रायथलॉन में प्रतिस्पर्धा में शामिल होने की कठिन चुनौती लेता है। इसमें अनुपम खेर विजय की भूमिका निभा रहे हैं, जिनकी उग्र भावना और दृढ़ संकल्प उनके आस-पास के लोगों को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि किसी भी उम्र में सपनों का पीछा करने का क्या मतलब है।

हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर में विजय के चिड़चिड़े बूढ़े से दृढ़ निश्चयी प्रतियोगी बनने की कहानी दिखाई गई है, क्योंकि वह संदेह और उपहास का सामना करने के बावजूद ट्रायथलॉन के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

ट्रेलर में हंसी और संघर्ष की झलक देखने को मिलती है। उनकी इस यात्रा में मिहिर आहूजा उनके साथी बन जाते हैं। चंकी पांडे भी विजय के पुराने दोस्त के रूप में कलाकारों में शामिल होते हैं। नेटफ्लिक्स इंडिया की ओरिजिनल फिल्मों की निर्देशक रुचिका कपूर शेख ने कहा, विजय 69 एक विशेष फिल्म है, जिसे दृढ़ता के शक्तिशाली संदेश के साथ खूबसूरती से तैयार किया गया है। जीवन के इस हिस्से से प्रेरणा लेने वाली यह कहानी सार्थक कहानियां बताने के हमारे जुनून को दिखाती है। विजय 69 की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। इस फिल्म का प्रीमियर 8 नवंबर, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।

प्रतीक बब्बर की नई फिल्म ख्वाबों का झमेला का ऐलान, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

बॉलीवुड एक्टर प्रतीक बब्बर और एक्ट्रेस सयानी गुप्ता जल्द ही रोमांटिक कॉमेडी फिल्म ख्वाबों का झमेला में एक साथ नजर आएंगे। इस फिल्म को दानिश असलम डायरेक्ट कर रहे हैं, जिसमें कुब्रा सैत भी अहम किरदार में दिखेंगी। प्रतीक बब्बर ने कहा, दर्शकों को हंसाने से ज्यादा मुश्किल कुछ नहीं है। ख्वाबों का झमेला के साथ इस चुनौती के लिए तैयार होना अपने आप में मजेदार था। मैं एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहा हूं, जो नंबर के मामले में तो बहुत अच्छा है, लेकिन भावनात्मक रूप से बहुत कमजोर है।

उन्होंने कहा कि यह फिल्म एक मजेदार और दिल को छू लेने वाली यात्रा है, जो उन चीजों के बारे में बात करती है जिनके बारे में ज्यादातर भारतीय चुप रहना पसंद करते हैं। दरअसल, इस फिल्म को भारत और ब्रिटेन में शूट किया गया है, जो जुबिन नाम के शख्स की कहानी है। वह गानों को समझने में माहिर है, लेकिन रोमांस में ज्यादा अच्छा नहीं है। वहीं, फिल्म की एक्ट्रेस सयानी ने कहा, ख्वाबों का झमेला फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत शानदार और मजेदार है। दानिश, अर्पिता और प्रतीक के साथ फिर से काम करना शानदार रहा और एक नई भूमिका निभाना मेरे लिए बिल्कुल नया था।

उन्होंने आगे कहा, यह एक ऐसा सब्जेक्ट है, जिसे भारतीय सिनेमा में वास्तव में नहीं दिखाया गया है। दानिश ने इस कहानी को हम सभी के लिए रोमांचक बना दिया। डायरेक्टर दानिश असलम ने इससे पहले 'इट्स नॉट दैट सिंपल', 'फ्लेश' और 'ब्रेक के बाद' जैसी फिल्में बनाई हैं। दानिश ने कहा, मैं हमेशा से ही अव्यवस्थित और अपरंपरागत रिश्तों की ओर आकर्षित रहा हूं, जो आज के समय में प्यार का लगभग 90 फीसदी है। लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी कहानियां बताने वाली भारतीय फिल्मों की कमी है।

डायरेक्टर ने कहा कि प्रतीक, सयानी और कुब्रा के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव था। उन्होंने कहा, यह फिल्म युवा पीढ़ी के लिए बनाई गई है। जो उस दुनिया में रोमांस के सफर का अहसास कर रहे हैं, जहां नियम बदल गए हैं। और यह कलाकार जितने प्रतिभाशाली हैं, उतने ही पागल भी हैं। बता दें कि फिल्म ख्वाबों का झमेला 8 नवंबर को जियोसिनेमा पर स्ट्रीम होगी।

अगली दिवाली पर आएगी हॉरर यूनिवर्स की खूनी प्रेम कहानी

स्त्री 2 की सफलता के बाद दिनेश विजान मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में एक और फिल्म को जोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना हॉरर कॉमेडी थमा में एक साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने वाले हैं। निर्माताओं ने आज मोशन पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। यह फिल्म अगले साल दिवाली यानी 2025 पर रिलीज होगी। प्रशंसक इस घोषणा को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

फिल्म की कास्ट का हुआ खुलासा

आगामी फिल्म थमा एक प्रेम कहानी के साथ एक खूनी कहानी के बैकग्राउंड पर आधारित एक एंटरटेनिंग लव स्टोरी है। आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना स्टारर इस फिल्म की घोषणा प्रोडक्शन हाउस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए की। अनाउंसमेंट वीडियो में कहा गया है कि मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स को एक प्रेम कहानी की जरूरत थी, लेकिन यह कहानी खूनी होने वाली है।

वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा है, दिनेश विजान की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स को एक प्रेम कहानी की जरूरत थी... दुर्भाग्य से, यह एक खूनी कहानी है। ष्ठथामा - दिवाली 2025 के लिए खुद को तैयार रखें! एक यूजर ने लिखा, 'वाह अभी से फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैडॉक एक और ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाने की तैयारी में जुट गई है।' एक और यूजर ने लिखा, 'इस समय इंडस्ट्री पर दिनेश विजान राज कर रहे हैं।'

थामा अगले साल दिवाली पर भव्य रिलीज के लिए तैयार है। यह फिल्म स्त्री, स्त्री 2, मुंज्या और भेड़िया फ्रैंचाइजी के बाद ब्रह्मांड में नई एंट्री है । जबकि फिल्म के बारे में अन्य जानकारियां गुप्त रखी गई हैं। केवल मुख्य कास्टिंग का खुलासा कर दिया गया है। फिल्म में आयुष्मान एक आदमी से पिशाच बने व्यक्ति की भूमिका में हैं। अभिनेता ने आधिकारिक घोषणा से एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर अपने लुक के बारे में अपने प्रशंसकों को भी बताया। उन्होंने अपनी एक तस्वीर साझा की और एक पिशाच फ़िल्टर का उपयोग किया, जिसमें लाल आंखें और मुंह से खून बह रहा था।

सिटाडेल हनी बनी का ट्रेलर जारी, वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु का दिखा धांसू अवतार

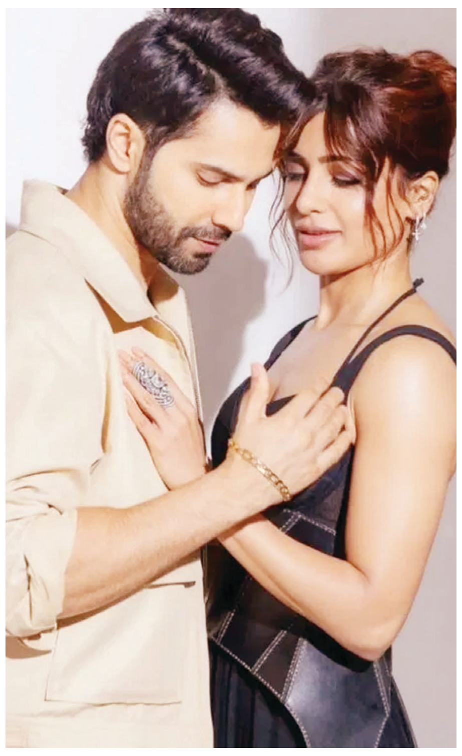

पिछले लंबे समय से वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु अपनी आने वाली वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी को लेकर चर्चा में हैं।यह प्रियंका चोपड़ा की अमेरिकी ड्रामा वेब सीरीज सिटाडेल का भारतीय संस्करण है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।अब निर्माताओं ने सिटाडेल हनी बनी का नया ट्रेलर जारी कर दिया है, जो जबरदस्त एक्शन और सस्पेंस से भरपूर है।ट्रेलर में वरुण और सामंथा जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं। सीरीज के ट्रेलर की शुरुआत सामंथा द्वारा हमलावरों से अपनी बेटी को बचाने की जद्दोजहद के साथ होती है। अभिनेत्री बेटी के कानों में हेडफोन लगाने और उसे सुरक्षित रखने के लिए एक ट्रंक में छिपाती हैं।

इसके बाद ट्रेलर में पता चलता है कि सामंथा को वरुण ने जासूस बनने की ट्रेनिंग दी थी, जो एक स्टंट आर्टिस्ट है। एक दिन वरुण, सामंथा के घर जाता है। किसी बात पर उनके बीच लड़ाई हो जाती है और इसके बाद सामंथा उसे बताती है कि वह उसकी बेटी का पिता है और उससे मिलवाती है।

'सिटाडेल- हनी बनी' सीरीज का निर्देशन राज एंड डीके (राज निदिमोरु और कृष्णा डीके) ने किया है और इसे सीता आर मेनन ने राज एंड डीके के साथ मिलकर लिखा है। इस सीरीज में वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के साथ केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजूमदार भी अहम रोल में हैं।

सिटाडेल- हनी बनी हॉलीवुड में बनी सीरीज सिटाडेल की कॉपी है। सिटाडेल में प्रियंका चोपड़ा जोनस और रिचर्ड मैडेन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सामंथा रुथ प्रभु ने कहा था कि यह सीरीज दिखावटी नहीं है और हाई-टेक गैजेट्स और तकनीक से भरपूर है।

उन्होंने कहा कि सीरीज के हर एक कैरेक्टर वास्तव में भरोसेमंद हैं, जो कि असाधारण परिस्थितियों में रखे गए सामान्य लोग हैं।अभिनेत्री ने आगे कहा 'सिटाडेल' ने मुझे बहुत आकर्षित किया। मेरा यह भी मानना है कि शो को नब्बे के दशक में सेट करना एक शानदार कदम था।

वरुण और सामंथा के अलावा वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी में केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजमुंदर जैसे सितारों ने भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।इस सीरीज का प्रीमियर 7 नवंबर, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।इसके निर्देशक की कमान राज और डीके ने संभाली है, वहीं सीरीज की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।

दुबई में दिवाली मनाएंगी प्रियंका की बहन मन्नारा चोपड़ा

बिग बॉस 17 प्रतियोगी और ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस की कजिन मन्नारा चोपड़ा भारत में नहीं दुबई में दिवाली मनाएंगी। जश्न ए दिवाली विदेश में मनाने की खबर उन्होंने सबको इंस्टाग्राम पर सुनाई। स्टोरीज सेक्शन में दुबई वाली खुशी जाहिर की। पहले में वो फ्लाइट में हैं और उनके हाथ में टिकट टू दुबई है।

दूसरे क्लिप में शॉर्ट ड्रेस में स्टाइलिश अंदाज में कार में बैठती देखी जा सकती हैं। अपने उत्साह को शब्दों में भी पिरोया है लिखा है- आपके बालों में सोना, आपकी ड्रेस में सफ़ेदी, आपके दिल में मुस्कान, बस यही तरीका है जिसे लेकर आप आगे बढ़ते हैं।

इसके बाद उन्होंने दुबई में म्यूजियम ऑफ द फ्यूचर की एक वीडियो शेयर की। तीसरे क्लिप में वो लिफ्ट में हैं और कैप्शन दिया है- लॉन्ग ड्राइव्स और कार में चाय लेकिन ये सब कुछ इस दिवाली दुबई में।

मन्नारा साउथ फिल्म इंडस्ट्री का जाना पहचाना नाम हैं। उन्होंने 40 विज्ञापनों में काम भी किया है। स्ट्रगल भी खूब किया है। अपने अभिनय से पहले उन्होंने एक फैशन डिजाइनर और सहायक कोरियोग्राफर के रूप में काम किया, जहां उन्होंने हिप हॉप और बेली डांसिंग जैसे डांसिंग स्टाइल्स का प्रशिक्षण लिया।

यह 2014 की बात है, जब मन्नारा ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा और तेलुगू, तमिल, हिंदी और कन्नड़ फिल्मों में काम किया। उन्होंने श्रीराम चंद्रा के साथ 2014 की तेलुगु फिल्म प्रेमा गीमा जनथा नाई से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की।

अनुभव सिन्हा की जिद से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया, जिसमें उनके साथ करणवीर शर्मा थे। 2015 में, चोपड़ा ने दो तमिल फिल्मों संदामरुथम और कावल के एक गाने में विशेष भूमिका निभाई थी।

मन्नारा ने थिक्का में साई धर्म तेज के साथ मुख्य भूमिका भी निभाई। 2017 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म रॉग से डेब्यू किया।

2023 में, वह रियलिटी शो बिग बॉस 17 में दिखाई दीं, जो उनका हिंदी टेलीविजन डेब्यू था। वह दूसरी रनर-अप रहीं। उन्होंने भूतमेट से वेब पर डेब्यू किया, जिसमें उन्होंने एक भूत परी का किरदार निभाया था। जल्द ही वो तेलुगू फिल्म थिरागबदरा सामी में राज तरुण के साथ और पंजाबी फिल्म ओही चन्न ओही रतन में दिखाई देंगी।

घर आंगन में बनाएं रंगोली, आपसे खुश होकर दौड़ी चली आएंगी लक्ष्मी मैया

दीपावली के मौके पर अगर आप भी अपने घर के आंगन में खूबसूरत और सिंपल रंगोली बनाना चाहते हैं, तो ये डिजाइंस ट्राई कर सकते हैं। दीपावली के पांचों दिन घर के आंगन में रंगोली बनाने का विशेष महत्व होता है, ऐसे में अगर आप इस मौके पर अपने घर पर सिंपल और खूबसूरत रंगोली बनाना चाहते हैं, तो ये 6 रंगोली डिजाइंस ट्राई कर सकते हैं, जो आपके घर को खूबसूरत लुक भी देगी और लक्ष्मी मैया भी प्रसन्न होंगी।

अगर आप बड़ी सी रंगोली घर के आंगन में बनाना चाहते हैं, तो इस तरीके शुभ दीपावली लिखकर एक खूबसूरत रंगोली बना सकते हैं। अगर आप सिंपल रंगोली घर के आंगन में बनाना चाहते हैं, तो इस तरीके से ऊपर एक कलश बनाकर पीले रंग से सिक्कों का डिजाइन दें, नीचे एक चौड़ा बॉर्डर बनाकर शुभ दीपावली लिखकर उसके आजू-बाजू लोटस फ्लावर बनाएं।

इस मौके पर आप स्वास्तिक डिजाइन की

रंगोली भी अपने घर के आंगन में बना सकते हैं। आप रेड कलर से डॉट बनाएं, इस चपटा करें और उसके ऊपर येलो कलर से रंग भरें। चारों कोनों पर दीपक लगाकर खूबसूरत और सिंपल रंगोली बनाएं। इस तरह की फ्लावर डिजाइन रंगोली भी घर के आंगन में बहुत खूबसूरत लगेगी। आप ग्रीन कलर से बेस बनाकर शुभ दीपावली से लिखें, एक कलश बनाएं और आजू-बाजू रंग-बिरंगे फूलों की डिजाइन दें।

स्क्वायर शेप रंगोली में इस तरीके का पैटर्न भी बहुत खूबसूरत लगता है। आप ग्रीन कलर से स्क्वायर शेप बनाएं, बीच में कलश बनाएं, असली सिक्के उसके ऊपर सजाएं और ऊपर से व्हाइट कलर की स्ट्रिंग्स बनाकर दीये जलाएं और शुभ दीपावली लिखें। दीपावली के दिन आप अपने घर के आंगन में इस तरीके से राउंड शेप रंगोली बना सकते हैं। ब्लैक कलर का एक राउंड बेस दें, इसके ऊपर दीपावली लिखें और पीले रंग से सिक्के और दीपक बनाएं।

पर्यटन के क्षेत्र में जशपुर ले रहा नया रूप

एडवेंचर, इको-टूरिज्म को दिया जा रहा बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सार्थक पहल से जशपुर जिला पर्यटन के क्षेत्र में नया रूप ले रहा है। इसके साथ ही व्यापक स्तर पर एडवेंचर और इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ही विगत दिवसों में मायली नेचर कैंप में सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकार की पहली बैठक आयोजित किए है।

छत्तीसगढ़ का जशपुर जिला सुंदर वादियों और नदी पहाड़ झरना से परिपूर्ण खूबसूरत और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है अब जिला तेजी से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। यहां के घने जंगल, पर्वतीय क्षेत्र, और अनोखी आदिवासी संस्कृति ने जशपुर को एक विशेष पहचान दिलाई है। जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। जहां विगत दिवस 4 दिवसीय देश देखा में जम्बूरी उत्सव का आयोजन किया गया है। जहां बड़ी संख्या में युवाओं ने यहां पर्यटन का आनंद लिया नजदीक से जशपुर की लोकल संस्कृति परम्परा और कर्मा नृत्य का अनुभव जाना। पर्यटकों को रोमांचक अनुभव प्रदान करना है, बल्कि उन्हें जशपुर की प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपदा से भी जोड़ना है। जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाना है। उनका उद्देश्य एक ऐसा पर्यटन मॉडल तैयार करना है, जो न केवल पर्यटकों के लिए रोमांचक हो, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को भी बनाए रखे पर्यटन को प्रकृति के करीब पहुंचाने का प्रयास किया है। प्राकृतिक संपदा जैसे घने जंगलों, पहाड़ियों और जल संसाधनों को भी पर्यटकों के अनुभव का हिस्सा बनाया है, जिससे न केवल पर्यटकों को एक अनोखा अनुभव मिलता है, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी रोजगार मिलता है। जशपुर की जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य के करीब लाना है। इसके तहत पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियाँ जैसे, बर्ड वॉचिंग, और प्राकृतिक स्थल भ्रमण आयोजित किए जाते हैं। इन गतिविधियों से पर्यटकों को पर्यावरणीय स्थिरता का भी ज्ञान मिलता है।

भविष्य की योजनाएँ और नवाचार

आने वाले पाँच वर्षों में योजना है कि जशपुर को छत्तीसगढ़ का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाया जाए, जहां पर्यटक प्रकृति, रोमांच, और संस्कृति का अनूठा अनुभव प्राप्त कर सकें। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए, कार्यक्रमों में इको-फ्रेंडली दृष्टिकोण को शामिल कर रहा है।

एडवेंचर टूरिज्म

रॉक क्लाइम्बिंग, ट्रेकिंग, और नदी के किनारे कैंपिंग जैसी गतिविधियाँ पर्यटकों के लिए रोमांचक अनुभव साबित होती हैं। जशपुर के प्राकृतिक परिदृश्य में आयोजित इन गतिविधियों के जरिए पर्यटक न केवल जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता को देख सकते हैं, बल्कि साहसिक खेलों का आनंद भी ले सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रस्तुत करने के लिए अनुभवात्मक पर्यटन का प्रारूप तैयार किया है। पर्यटक यहां स्थानीय व्यंजनों का स्वाद, आदिवासी कला और शिल्प वर्कशॉप्स, और पारंपरिक नृत्य-संगीत का आनंद ले सकते हैं।

स्थानीय समुदाय की भागीदारी और योगदान

स्थानीय समुदाय को रोजगार के अवसर प्रदान कर, सामुदायिक विकास में अपना योगदान दिया है। स्थानीय गाइड्स, शिल्पकार, और साथ जुड़कर न केवल अपने परिवार की सहायता कर रहे हैं बल्कि जशपुर की सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित कर रहे हैं। इसका उद्देश्य केवल पर्यटकों को आकर्षित करना नहीं है, बल्कि स्थानीय कला और संस्कृति को जीवित रखना भी है। जिला प्रशासन स्थानीय कलाकारों के हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों को उनके स्टोर पर प्रदर्शित करता है, जिससे स्थानीय शिल्पकारों को अपनी कला को प्रदर्शित करने का मंच मिलता है। साथ ही, यह स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके किसानों और शिल्पकारों को आर्थिक समर्थन प्रदान कर रहा है।

सड़क निर्माण से मजबूत होगा बुनियादी ढांचा बढ़ेंगी आर्थिक गतिविधियां- विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के ग्राम बारदी में 2 करोड़ 91 लाख 55 हजार रुपये की लागत से 1.3 किमी लंबी भेलवाभांवर मार्ग का भूमिपूजन किया। सड़क मार्ग निर्माण की यह पहल जिले के विकास को गति देने के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे स्थानीय बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा को ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के लिए आग्रह किया था, जिसे उन्होंने तत्परता से स्वीकार कर स्वीकृति दी। जिसके बाद इसका भूमि पूजन किया गया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि विकास के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा आवश्यक है और यह परियोजना स्थानीय समुदाय की जरूरतों को पूरा करेगी। उन्होंने बताया कि सरकार गांवों में बेहतर सड़कें और सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने ग्रामीणों से सहयोग की अपील की और विश्वास दिलाया कि सभी कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरे होंगे। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा की सभी विकास कार्य समय पर पूर्ण किए जाएंगे, जिससे क्षेत्र में समग्र प्रगति संभव हो सके। ग्रामीणों ने कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इस सड़क के निर्माण से न केवल आवागमन में सुविधा होगी, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। गांवों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है, ताकि हर व्यक्ति को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विकास कार्यों को समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि हर क्षेत्र, चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण, विकास की मुख्यधारा से जुड़े। आपके सहयोग से ही यह संभव हो सकेगा, इसलिए सभी ग्रामीणों से अपील है कि वे इन कार्यों में अपना सहयोग दें। इस अवसर पर पूर्व विधायक अशोक साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, कमलकांत नाविक सहित सरपंच, पंच, जनप्रतिनिधि ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्रामीणों की वर्षो पुरानी मांग हुई पूरी

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा भेलवाभांवर मार्ग के भूमिपूजन के साथ ही ग्रामीणों की बरसों पुरानी मांग पूरी हो गई। लंबे समय से इस मार्ग की आवश्यकता महसूस की जा रही थी और ग्रामीणों ने इसके निर्माण के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से अनुरोध किया था। इस सड़क के निर्माण से न केवल आवागमन में सुधार होगा, बल्कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

ग्रामीणों ने इस पहल के लिए छत्तीसगढ़ सरकार का आभार व्यक्त किया। ग्रामीण गणेश साहू, ठाकुरराम, परसराम, विष्णु, निहोरा साहू ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि यह सड़क उनकी बरसों पुरानी मांग थी, जिसे अब उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग के निर्माण से गांव के विकास को नई दिशा मिलेगी और लोगों के आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने उपमुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी तत्परता और संवेदनशीलता के कारण आज यह मांग साकार हो पाई है।

बिहान बाजार-समूह के दिए से रोशन होंगे घर

रायगढ़। एनआरएलएम अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत 30 अक्टूबर तक जिला रायगढ़ के सभी 07 विकास खंड के अंतर्गत 28 संकुल स्तरीय संगठन में दीवाली बिहान बाजार का आयोजन किया जा रहा है। बिहान बाजार में स्व-सहायता समूह के हाथों से निर्मित झालर (लटकन), अनेकों प्रकार के दिए, मुर्रा, देशी घी से बने लड्डू, मिठाई, लाई, बताशा, लक्ष्मी गणेश की मूर्ति, पूजन सामाग्री, कपड़े/जूट का थैला, गृह साज-सज्जा का सामान, झाड़ू, फूल, तोरण, रंगोली के रंग इत्यादि दीवाली सामाग्री का विक्रय किया जा रहा है। छोटे-छोटे ग्राम में तैयार गुणवत्ता उक्त दीवाली सामाग्री खरीददारों का मन मोह रही है एवं उनके द्वारा समूह से सामान लेने हेतु अन्य लोगों को बता कर भेज रहे है। अन्य निर्मित सामान को भी दीवाली विशेष बाजार में विक्रय कर अच्छी आय प्राप्त कर रही है।

नगरीय निकाय के कर्मचारियों की दिवाली भी हुई खुशनुमा, दो माह का वेतन जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के 101 नगरीय निकायों में अधिकारियों-कर्मचारियों के सितम्बर और अक्टूबर माह के वेतन के भुगतान के लिए 25 करोड़ 90 लाख रुपए आबंटित किए हैं। इस राशि से नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में कार्यरत प्लेसमेंट व नियमित अधिकारियों-कर्मचारियों को दो महीने के वेतन का भुगतान किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने निकायों को राशि जारी कर दी है। श्री साव ने सभी नगरीय निकायों में तत्काल वेतन भुगतान के निर्देश भी दिए हैं।

नगरीय प्रशासन विभाग ने शहरों में विकास कार्यों को और तेज करने के लिए भी बड़ी राशि जारी की है। उप मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री अरुण साव के निर्देश पर राज्य के 129 नगरीय निकायों में अधोसरंचना मद के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के लिए 144 करोड़ 65 लाख रुपए आबंटित किए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकास कार्यों के लिए राशि की कमी नहीं है। नगरीय निकायों को विकास कार्यों और जन सुविधाएं विकसित करने के लिए पर्याप्त राशि दी जा रही है। नगरीय निकाय गुणवत्तापूर्ण कार्य संपादित कराते हुए इन राशियों का सदुपयोग करें। उप मुख्यमंत्री श्री साव नगरीय निकायों के कार्यों की लगातार समीक्षा कर समस्याओं एवं जरूरतों की जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने शहरों के सुनियोजित और सुव्यवस्थित विकास के लिए कार्ययोजना बनाकर उनके अनुरूप कार्य करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए हैं। वे निकायों का भ्रमण कर विकास कार्यों का औचक निरीक्षण भी कर रहे हैं। पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों की खुशियां हुई दोगुनी

राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग में अभियंताओं की दीपावली की खुशियां दुगुनी हो गई है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने मंत्रालय से 47 अधिकारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किए हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा 41 उप अभियंताओं को सहायक अभियंता और चार मानचित्रकारों को सहायक अभियंता के पद पर पदोन्नत किया गया है। विभाग ने दो अभियंताओं को 29 मई 2020 से भूतलक्षी प्रभाव से मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति के भी आदेश जारी किए हैं। इन पदोन्नत अधिकारियों की पदस्थापना बाद में की जाएगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा पिछले कई वर्षों से अभियंताओं की लंबित पदोन्नति के आदेश चालू अक्टूबर माह में जारी किए गए हैं। हाल ही में 14 अक्टूबर को 51 अधिकारियों को भी पदोन्नत किया गया था।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

पति के धर्म का पत्नी करती थी उपहास, दिया तलाक छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा, यह पति के साथ क्रूरता

बिलासपुर का मामला, तलाक के खिलाफ पत्नी ने दायर की याचिका, हाईकोर्ट ने किया खारिज

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में तलाक के एक हैरान कर देने वाले मामले में हाईकोर्ट की दखल के बाद पति को न्याय मिला। हिन्दू पति की धार्मिक मान्यताओं का परिहास करने वाली पत्नी का उसने तलाक दिया तो उसने मामले में हाईकोर्ट पहुंचकर याचिका दायर कर दी। इस मामले में हाईकोर्ट ने भी पति का पक्ष लिया और तलाका को मान्य किया। कोर्ट ने इस दौरान कहा कि पति की धार्मिक मान्यताओं का परिहास करना उसके प्रति मानसिक क्रूरता है और ऐसे में पति अपनी पत्नी से तलाक पाने के लिए हकदार है। मामले की सुनवाई बुधवार को जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस संजय जायसवाल की बेंच में हुई।

दरअसल यह मामला बिलासपुर निवासी विकास चंद्र से जुडा हुआ है। विकास चंद्र ने 7 फरवरी 2016 को मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले के करंजिया निवासी नेहा से शादी की थी। नेहा इसाई धर्म को मानती थी लेकिन उसने विकास चंद्र से हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार शादी की थी। विकास दिल्ली में काम करता था। शादी के बाद नेहा कुछ दिन अपने पति के साथ दिल्ली में रही और उसके बाद वापस बिलासपुर लौट आई। शादी के बाद कानूनन नेहा भी हिन्दू हो गई लेकिन उसने कभी भी हिन्दू धर्म की मान्यताओं का मान नहीं रखा। विकास चंद्र के किसी भी धार्मिक अनुष्ठान में वह शामिल नहीं होती थी और उल्टे हिन्दू धर्म का परिहास करती और खुद चर्च जाया करती थी। इससे विकास चंद्र काफी आहत होता था और जब सब्र का बांध टूटा तो उसने नेहा से तलाक लेने का फैसला कर लिया।

परिवार न्यायालय में लगाई अर्जी

इसके बाद विकास चंद्र ने अपनी पत्नी नेहा से तलाक के लिए परिवार न्यायालय में अर्जी लगा दी। सुनवाई के दौरान पत्नी ने भी माना कि वह विकास के किसी भी धार्मिक अनुष्ठान में शामिल नहीं होती थी। परिवार न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुना और विकास के पक्ष में फैसला सुनाते हुए तलाक मंजूर करते हुए डिक्री आदेश जारी कर दिया। फैमिली कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ नेहा ने हाईकोर्ट में अपील की। सुनवाई के दौरान विकास की ओर से उसके वकील ने ने हाईकोर्ट को बताया कि उसकी पत्नी नेहा ने धार्मिक भावनाओं को आहत किया है।

हिन्दू धर्म मानने की जगह मजाक उड़ाती थी पत्नी

हाईकोर्ट में विकास के वकील ने बताया कि उसकी पत्नी नेहा हिंदू धर्म से जुड़े किसी भी पूजा-पाठ, हवन आदि में नहीं बैठती थी। सुनवाई के दौरान नेहा ने खुद स्वीकार किया है कि बीते 10 वर्षों में वह अपने पति के साथ किसी भी धार्मिक अनुष्ठान में शामिल नहीं हुई है। न ही पूजा-अर्चना आराधना की है, बल्कि उसे चर्च जाना अच्छा लगता था। विकास ने कोर्ट को बताया कि उनकी पत्नी ने बार-बार उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत किया। देवी-देवताओं का अपमान किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद डिवीजन बेंच ने फैमिली कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए नेहा की अपील को खारिज कर दिया।

धार्मिक अपमान पति के साथ मानसिक क्रूरता : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट की जस्टिस रजनी दुबे व जस्टिस संजय जायसवाल की डिवीजन बेंच ने इस प्रकरण कर सुनवाई के दौरान कहा कि अपीलकर्ता पत्नी ने खुद स्वीकार किया है कि पिछले 10 वर्षों से उसने किसी भी तरह की पूजा नहीं की है और इसके बजाए वह अपनी प्रार्थना के लिए चर्च जाती है। पति ने बताया कि पत्नी ने बार-बार उसकी धार्मिक मान्यताओं को अपमानित किया। उसके देवताओं का अपमान किया और उसे अपमानित किया। जबकि दो अलग अलग धर्म के व्यक्तियों के बीच विवाह के बाद एक किसी के धर्म का अपमान नहीं किया जाना चाहिए। इस तरह का कृत्य एक धर्मनिष्ठ हिंदू पति के प्रति मानसिक क्रूरता के बराबर है।

खास खबर

सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी, अलग-अलग जगहों से आठ नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। दीपावली त्योहार से पहले सुरक्षाबलों ने अलग अलग जगहों से 8 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारियों में राज्य पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 165वीं और 150वीं बटालियन और कोबरा (सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई-कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) की 201वीं बटालियन और जिला पुलिस की संयुक्त टीमें शामिल थीं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार को चिंतलनार थाना क्षेत्र से छह नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि कोंटा और चिंतागुफा थाना क्षेत्र से एक-एक नक्सली को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए सभी नक्सली पुरुष हैं और उनकी उम्र 20 से 55 वर्ष के बीच है। चिंतलनार से गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से डेटोनेटर वायर, पटाखे, डेटोनेटर, कॉर्डेक्स वायर (विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल होने वाला) और माओवादी बैनर बरामद किए गए हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को उग्रवाद प्रभावित बस्तर क्षेत्र के सुकमा जिले में दो स्थानों से 19 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया था।

बीजापुर में आकाशीय बिजली गिरने से 11 बकरियों की हुई मौत

बीजापुर। जिले के उसूर ब्लाक चेरकडोडी के आश्रित गांव पैंकरम में आकाशीय बिजली गिरने से इसकी जद में आये 11 बकरियों की मौत हो गई हैं। बुधवार की देर शाम अचानक हुई भारी बारिश के चलते उसूर ब्लाक के ग्राम पंचायत चेरकडोडी के आश्रित पैकरम गांव में रहने वाले ग्रामीण रामबाबू कक्केम की 3 व गांव के ही अन्य ग्रामीणों की 8 बकरियों की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई हैं। रामबाबू ने बताया कि वे और अन्य ग्रामीण अपनी बकरियों को चरा रहे थे। तभी शाम को अचानक तेज बारिश हुई और तेज गरज चमक के साथ बिजली गिरी। जिसकी चपेट में आने से 11 बकरियों की मौत हो गई है।

72 साल के बुजुर्ग का घर में मर्डर: शो-पीस और स्टेबलाइजर खून से सने मिले, रातभर पुलिस-फोरेंसिक ने जुटाए सबूत, 3 किराएदार हिरासत में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक घर के भीतर 72 साल के बुजुर्ग का मर्डर हो गया है। हत्यारे ने बुजुर्ग की पत्नी को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया है। इस वारदात की सूचना मिलते ही विधानसभा छ्स्क्क्, खम्हारडीह थाना प्रभारी और फॉरेंसिक के एक्सपर्ट रात भर घटनास्थल पर मौजूद रहकर सबूत जुटाते रहे। पुलिस ने इस मामले में तीन संदिग्ध किराएदारों को हिरासत में लिया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यह वारदात खम्हारडीह थाना क्षेत्र के अवंती विहार में हुई है। यहां रत्नेश्वर बनर्जी(72) अपनी पत्नी माया बनर्जी(70 साल) के साथ रहते थे। गुरुवार की रात 12 बजे के करीब पुलिस को सूचना मिली कि एक घर के भीतर लहूलुहान हालत में दो बुजुर्ग जमीन में पड़े हुए है। सूचना मिलते ही विधानसभा सीएसपी, खम्हारडीह थाना प्रभारी अपने टीम के साथ मौके पर पहुंच गए।

दो मंजिला घर के ग्राउंड फ्लोर में जब पुलिस ने एंट्री की। तो देखा कि किसी अज्ञात हमलावर ने दोनों को जान से मारने की इरादे से हमला किया था।

बुजुर्ग महिला माया बैनर्जी लहूलुहान हालत में है लेकिन, उनकी सांस चल रही थी। पुलिस ने फौरन एंबुलेंस बुलाकर महिला को अस्पताल भेजा। जहा उनका इलाज जारी है। वहीं दूसरी ओर उनके पति रत्नेश्वर बनर्जी की मौत हो चुकी थी। उनके सिर और शरीर में कई जगहों पर चोट के निशान मिले है। घर के कमरे और हाल में चारों तरफ खून पड़ा हुआ था।

बुजुर्ग को बेरहमी से मारा

मिली जानकारी के मुताबिक, घर के भीतर मेटल का शो-पीस, हेलमेट, स्टेबलाइजर जैसी चीज जमीन पर पड़ी हुई थी। इन सामानों में खून के धब्बे थे। बताया जा रहा है कि हत्यारे ने बुजुर्ग पर इन सामानों से हमला किया है। फिलहाल पुलिस को हत्या की वजह पता नहीं चल पाई है। इस मामले में पुलिस ने घर के ऊपरी मंजिल पर रह रहे 3 किराएदारों को हिरासत में लिया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। साथ ही फॉरेंसिक ने भी सुबह 4 बजे तक मौके से सबूत जुटाये है।

कोलकाता से एक बेटा लौटा

रत्नेश्वर बनर्जी और उनकी पत्नी माया बनर्जी दोनों घर पर अकेले रहते थे। बताया जा रहा है कि रत्नेश्वर सरकारी नौकरी से रिटायर्ड है। उनका एक बेटा कोलकाता में रहता है। वहां बैंकिंग सेक्टर में काम करता है। इस घटना की सूचना मिलते ही वह वापस रायपुर लौट आया है। घर के ऊपरी मंजिल पर बनर्जी ने बैचलरों को किराए में दिया था। पुलिस को शक है कि हत्यारा इनमें से ही कोई एक है। आशंका है कि हत्या किराए के पैसे को लेकर हुए विवाद के बाद की गई होगी।

टीआई ने कहा -सबूत मिले है, जल्द खुलासा होगा

इस मामले में विधानसभा थाना प्रभारी केशरी नंदन ने बताया कि पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे और घर के भीतर मिले सबूतों को खंगाल रही है। तीन किरायेदारों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्दी पुलिस इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा करेगी।

कोरबा में पांच महीने पहले हुई हत्या का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

■ मामूली बात को लेकर दोस्त ने किया था कत्ल, करतला थाना क्षेत्र का है मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में करतला पुलिस ने पांच महीने पहले हुए एक हत्या के मामले में फरार आरोपी गनपत राठिया उर्फ मनभुलु को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी तब हुई जब पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अपने घर केरवांद्वारी में छिपा हुआ है।

इस मामले की शुरुआत 24 मई 2024 को हुई, जब सेंद्रीपाली निवासी सुनउराम यादव ने थाना में प्रथम सूचना पत्र दर्ज कराया। सुनउराम ने बताया कि उसके भतीजे दयालाल यादव का दोस्त गनपत राठिया उनके घर आता-जाता था। 23 मई 2024 को, दोनों युवक एक साथ मोटर साइकिल से कोरबा गए थे। वहां शराब पीने के बाद किसी बात पर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसी विवाद के चलते आरोपी ने घर लौट कर दयालाल यादव के घर के सामने अश्लील गालियां दीं।

जब रोहित यादव ने गाली देने से मना किया और कहा कि वह अभी घर पर नहीं है, तो आरोपी वहां से चला गया। रात लगभग 8 बजे जब दयालाल घर आया, तो गनपत ने अचानक डंडे से उसके सिर के पीछे वार किया और वहां से भाग गया। दयालाल गंभीर चोट लगने से गिर पड़ा और बेहोश हो गया। उसके परिजनों ने उसे तुरंत बिलासपुर के विवेकानंद अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया। शुरुआत में आरोपी फरार हो गया था, लेकिन करतला पुलिस ने उसकी तलाश जारी रखी। लगातार प्रयासों के बाद, पुलिस को 30 अक्टूबर 2024 को सूचना मिली कि गनपत राठिया अपने घर में छिपा हुआ है। इस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के घर पर छापा मारा और उसे हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान गनपत ने अपना जुर्म कबूल किया। उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

बताया जा रहा है कि मृतक और आरोपी दोनों बचपन के दोस्त थे और एक साथ स्कूल में पढ़ाई भी किए थे लेकिन दोनों के बीच विवाद होने के बाद मौत का कारण बना वहीं घटना के बाद से आरोपी पिछले के महीना से आसपास रिश्तेदारों के घर छुपा हुआ था। इस गिरफ्तारी से जहां मृतक के परिजनों को न्याय की थोड़ी उम्मीद बंधी है, वहीं पुलिस ने भी मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए अपनी तत्परता दिखाई है। मामले की आगे की प्रक्रिया और कानूनी कार्यवाही जारी है।

पत्नी से विवाद के बाद टिंबर व्यववसायी ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

■ कुम्हारी थाना क्षेत्र का मामला, शराब को लेकर हुआ था दोनों में विवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई में टिंबर के कर्मचारी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि पत्नी से झगड़ा होने के बाद उसने आत्महत्या की है। बताया जा रहा है कि युवक ने तीन महीने पहले की लव मैरिज की थी। मामला कुम्हारी थाना क्षेत्र का है।

कुम्हारी थाना प्रभारी जनकराम कुर्रे ने बताया कि मृतक की पहचान धनेश्वर चक्रधारी उर्फलाला (22 साल) पिता रवि चक्रधारी निवासी श्रृंगारपुर बलौदाबाजार के रूप में हुई है। लाला आशीष शुक्ला की लकड़ी टाल में काम करता था।

मंगलवार रात में उसकी पत्नी ने फोन पर सूचना दी कि उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो देखा कि वो पंखे से लटका हुआ है। पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पंचनामा कार्रवाई के बाद उसे पोस्टमॉर्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला भेज दिया। लाला काफी दिनों से शुक्ला लकड़ी टाल में रहता था।

इसी दौरान उसने कुम्हारी की एक लड़की से प्यार किया। जुलाई 2024 में दोनों ने लव मैरिज कर ली। लाला अपनी पत्नी के साथ टिंबर मार्ट में मिले क्वार्टर में ही रहता था।

शराब पीने को लेकर हुआ पति पत्नी में झगड़ा

पत्नी ने बताया कि लाला को दिवाली से पहले सेठ ने पेमेंट दिया था। इस पर उसने लाला से कहा कि घर का राशन, दिवाली के लिए कुछ मिठाई और सामान ले आओ। इसके बाद लाला घर से सामान लेने गया, लेकिन लौटा नहीं। वह रास्ते में ही दोस्तों के साथ बैठकर शराब पार्टी करने लगा। इस पर उसकी पत्नी उसे खोजते हुए उसके पास पहुंची और झगड़ा करने लगी। दोनों घर आए तो लाला ने पत्नी को बुरी तरह पीटा। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया। गमछे से फांसी बनाकर पंखे के सहारे लटक गया।

दो युवकों की मौत का मामला, महिला सहित दो गिरफ्तार

■ बलौदा थाना क्षेत्र का मामला, महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर की थी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले के ग्राम बुडगहन में दो युवकों की मौत के मामले में एसपी विवेक शुक्ला ने हत्या का खुलासा किया हैं। शराब में सुहागा मिला गया था ,जिसे पुणे से शिवा बंजारे और रूपेश सांडे की मौत हुई थी। जिसमें दो आरोपी एक महिला रंजनी शांडिल्य और बसंत आदित्य को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय जांजगीर में एसपी विवेक शुक्ला ने खुलासा करते हुए बताया कि,, 26 अक्टूबर के दो युवक शिवा और रूपेश सांडे, मामा सुखसागर सतनामी के साथ शराब पीने के लिए बैठे थे। इस बीच सुखसागर सतनामी फोन में दूसरी ओर बात कर रहा था। जब वापस आ तो दोनों ने देशी शराब पी ली थी जिसके बाद तबियत खराब होने पर परिजनों ने उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे जहा डॉक्टर ने जांच उपरांत मृत घोषित किया था। पीएम रिपोर्ट आने पर सुहागा से मौत होना पाया गया।

बलौदा पुलिस ने परिजनों और आस पास के लोगो से पूछताछ करने पर पता चला कि,, रूपेश सांडे की दोस्ती गांव की रहने वाली रंजनी शांडिल्य से हुई थी घर आना जाना होता रहता था और अवैध संबंध होने की बात सामने आई। रंजनी शांडिल्य को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर बताया कि कोराना काल में पति की मौत हुई थी जिसके बाद से रूपेश सांडे से संबंध था बात चीत होती थी जिसके बाद बात बात पर गाली गलौज और मारपीट करता था जिससे परेशान थी। वही धान खरीदी समिति प्रबंधक बसंत आदित्य से पहुंचा होने के बाद उससे बात करने लगी जिसे देख रूपेश सांडे गली गलौज करता था।

रंजनी शांडिल्य ने अपने प्रेमी बसंत आदित्य के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और ऑन लाइन के माध्यम से बसंत आदित्य ने सुहागा मांगकर दी, वही रंजनी शांडिल्य ने अपने भाई से देशी शराब मंगाया और मिलकर रखा दिया। रूपेश सांडे जोकि शराब पीने का आदी था जिसका फायदा उठाकर उसे फोन के माध्यम से बुलाकर दिया जिसे लेकर वह पीने चला गया उसी समय अपने दोस्त शिवा बंजारे को फोन कर बुलाया, जिसमे वह अपने मामा के साथ पहुंचा था। रूपेश सांडे और शिवा बंजारे ने शराब पीने से मौके पर तबियत बिगड़ने पर अस्पताल लेकर पहुंचे जहा डॉक्टर ने मृत घोषित किया। दोनो आरोपियों ने हत्या की बात स्वीकार की है जिनके खिलाफ धारा 103(1),105, 61(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। जिन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030

Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more

पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

ज्ञा.कं. 2520 / व.ले.लि. / ग्रा.यां. सेवा/2024-25 दुर्ग, दिनांक 29/10/2024

निविदा संशोधन सूचना

इस कार्यालय का ई-निविदा आमंत्रण सूचना कमांक 16 दिनांक 25.10.2024 के शार्ट एन.आई.टी. में सिटी क्लब दुर्ग में इंडोर स्वीमिंग पुल निर्माण कार्य का अनुभव होने की शर्त को अपरिहार्य कारणों से विलोपित किया जाता है।

अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दुर्ग (छ.ग.)

जी-242503531/6

कार्यालय कलेक्टर (नाजरात शाखा) दुर्ग

क्रमांक/9257/जिला नाजिर/निविदा/2024 दुर्ग, दिनांक 28.10.2024

निविदा

जिला कार्यालय दुर्ग परिसर में सायकल/स्कूटर स्टैण्ड का संचालन हेतु निविदा आमंत्रण

जिला कार्यालय दुर्ग परिसर में वाहन स्टैण्ड के संचालन हेतु दिनांक 18 नवम्बर 2024 से 31 मार्च 2025 तक के लिये निविदा दिनांक 13.11.2024 दोपहर 2.00 बजे तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक से आमंत्रित की जाती है.

निविदा प्रपत्र एवं निविदा नियम, शर्तों अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रुपये 500.00 रुपये नगद भुगतान कर प्रकाशन दिनांक से दिनांक 13.11.2024 तक स्वतः उपस्थित होकर दोपहर 2.00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है. निविदा की शर्तें तहसील कार्यालय, दुर्ग एवं जिला कार्यालय, दुर्ग के नोटिस बोर्ड में अवलोकन किया जा सकता है एवं दुर्ग जिले के वेबसाइड durg.gov.in पर भी देखा जा सकता है.

निविदा अंतिम तिथि दिनांक 13.11.2024 दोपहर 02.00 बजे तक इस कार्यालय में स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक से निर्धारित समयावधि में प्राप्त हो जाना चाहिए, विलंब से प्राप्त निविदा मान्य नहीं होगी. निविदा जिला कार्यालय के प्रभारी अधिकारी (नाजरात शाखा के समक्ष) दिनांक 14.11.2024 को शाम 05.00 बजे खोली जावेगी. निविदा खोलते समय निविदादाता स्वयं या उनका एक प्रतिनिधि उपस्थित रह सकता है.

केवल उसी निविदादाताओं की निविदा को मान्य किया जावेगा, जो प्रभारी अधिकारी नाजरात शाखा जिला कार्यालय, दुर्ग के कार्यालय से नियमानुसार निविदा प्रपत्र प्राप्त किया है. निविदा लिफाफे के ऊपर सायकल/स्कूटर स्टैण्ड निविदा स्पष्ट लिखा जाना आवश्यक है.

डिप्टी कलेक्टर
वास्ते- कलेक्टर, दुर्ग

जी-242503550/3

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

राज्योत्सव: रायपुर में मुख्यमंत्री साय तो दुर्ग में केदार कश्यप होंगे मुख्य अतिथि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य स्थापना दिवस-2024 के अवसर पर 05 नवम्बर को जिला मुख्यालयों में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले में मुख्य अतिथिगण शामिल होंगे। इस क्रम में रायपुर जिले में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उपस्थित रहेंगे। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, बिलासपुर में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, बस्तर में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, राजनांदगांव से विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सरगुजा में मंत्री रामविचार नेताम, महासमुंद में मंत्री दयालदास बघेल, दुर्ग में मंत्री केदार कश्यप, कोरबा में मंत्री लखन लाल देवांगन, बलौदाबाजार-भाटापारा में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इसी प्रकार जांजगीर-चांपा जिले के कार्यक्रम में मंत्री ओ.पी. चौधरी, बलरामपुर-रामानुजगंज में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में मंत्री टंकराम राम वर्मा, गरियाबंद में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बालोद में सांसद विजय बघेल, खैरागढ़-गंडई-छुईखदान में सांसद संतोष पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जशपुर जिले के कार्यक्रम में सांसद चिंतामणी महाराज, बेमेतरा में सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी, रायगढ़ में सांसद राधेश्याम राठिया, सक्ति में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, दंतेवाड़ा में सांसद महेश कश्यप, कांकेर में सांसद भोजराज नाग, नारायणपुर में सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह, मुंगली में विधायक पुन्नुलाल मोहले, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में विधायक धरमलाल कौशिक उपस्थित रहेंगे।

इसी प्रकार कबीरधाम में विधायक अमर अग्रवाल, धमतरी में विधायक अजय चन्द्राकर, कोरिया में विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, सूरजपुर में विधायक भैयालाल राजवाड़े, कोण्डागांव में विधायक सुश्री लता उसेंडी, बीजापुर में विधायक विक्रम उसेंडी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में विधायक राजेश मूणत तथा सुकमा जिले में विधायक किरण देव राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह 4 से मेला ग्राउण्ड तक चलेंगी बीआरटीएस बसें

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर के राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड में 04 से 06 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह 2024 में रायपुर से राज्योत्सव स्थल तक आने वाले यात्रियों के आवागमन की सुविधा के लिए बीआरटीएस बसों की सुविधा प्रदान की गयी है। इसके अंतर्गत रायपुर-नवा रायपुर के मध्य संचालित की जाने वाली बीआरटीएस बसों को स्पेशल ड्यूटी अंतर्गत रायपुर रेलवे स्टेशन-डीकेएस भवन-तेलीबांधा-सीबीडी होते हुए राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड जाने और वापसी में राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड से सीबीडी-तेलीबांधा-डीकेएस भवन-रेलवे स्टेशन के लिये बीआरटीएस बसों का संचालन किया जायेगा। यह बसें रायपुर से प्रातः 11.00 बजे से रात्रि के 9.00 बजे तक प्रत्येक आधे घण्टे के अंतराल में चलेंगी। राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड से रायपुर वापसी हेतु दोपहर 12.12 बजे से रात्रि के 11.12 बजे तक प्रत्येक आधे घण्टे के अंतराल में बीआरटीएस बसे उपलब्ध होगी।

जिला मुख्यालयों में होंगे दीप प्रज्वलन

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 01 नवंबर को सभी जिला मुख्यालयों में एवं प्रमुख नगरों में दीप प्रज्जवलन किया जाना है। इस अवसर पर सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, रायपुर ने कलेक्टरों को जारी परिपत्र में कहा है कि नागरिकों से अपने घरों में राज्य स्थापना दिवस को दृष्टिगत रखते हुए दीप प्रज्जवलन करने के लिए अपील करना सुनिश्चित करें।

धनखड़ को समापन समारोह का न्यौता

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने एक दिवसीय नई दिल्ली प्रवास के दौरान देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भेंट की। उन्होंने राज्य शासन की ओर से उप राष्ट्रपति को राज्योत्सव के समापन एवं राज्य अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। नया रायपुर, अटल नगर में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव का समापन एवं राज्य अलंकरण समारोह 6 नवम्बर को होगा। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा आगामी 4 नवम्बर से 6 नवम्बर तक नया रायपुर, अटल नगर में तीन दिवसीय भव्य राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी लगाई जाएगी। तीनों दिन शाम को सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों को दी दिवाली की बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। उन्होंने कहा है कि दीपावली के दिन भगवान राम लंका पर विजय प्राप्त करके वापस अयोध्या आए थे। उनके आने की खुशी और स्वागत में दीप जलाए जाते हैं। इस साल की दीवाली बहुत खास है, क्योंकि लगभग 500 साल बाद भगवान श्रीराम अयोध्या में अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपावली पर्व सबके लिए मंगलमय हो। विकास की रोशनी गांव गांव तक पहुंचे, लोगों में परस्पर स्नेह की जड़ें और गहरी तथा मजबूत हों तथा मां लक्ष्मी की कृपा से छत्तीसगढ़ प्रदेश धनधान्य और सुखसम्पदा से परिपूर्ण रहे।

सरदार पटेल को किया नमन

मुख्यमंत्री श्री साय ने देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल की 31 अक्टूबर को जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने देश के लिए सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल अपनी देशभक्ति, दृढ़ इच्छाशक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और साहस के लिए जाने जाते हैं। देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी अग्रणी भूमिका थी। उनको भारत का लौह पुरुष भी कहा जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्र भारत के नवनिर्माण में सरदार पटेल जी की अविस्मरणीय भूमिका को देखते हुए उनकी स्मृति और सम्मान में प्रत्येक वर्ष उनकी जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय एकता किसी भी देश की शक्ति और विकास का मूल स्तंभ होती है। भारत विविधताओं का देश है, जहां हर क्षेत्र की अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि एकजुट होकर अपने प्रदेश और देश की प्रगति में अपना योगदान दें।

राज्यपाल डेका को दी शुभकामनाएं

राज्यपाल रमेन डेका से यहां राजभवन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुलाकात कर दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री डेका ने भी उन्हें दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

गृहग्राम में त्यौहार मनाएंगे सीएम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दीपावली का त्यौहार अपने गृहग्राम में मनाएंगे। जारी कार्यक्रम के मुताबिक, श्री साय आज 31 अक्टूबर को जशपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे और अपने ग्राम बगिया पहुचेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950